त्रिपुरी टाइम्स

ANNIVERSARY CELEBRATIONS 10th ANNIVERSARY

www.tripuritimes.com

tripuritimes@gmail.com

वर्ष 10 अंक 8

जबलपुर, सोमवार 3 फरवरी 2025

पृष्ठ संख्या : 8

मूल्य : 2 रुपए

नासिक-सूरत हाईवे पर भीषण हादसा

यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी 7 की मौत, 15 गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। नासिक के सावतपुरा घाट से होते हुए सूरत की ओर बस जा रही थी। इस दौरान बस अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में जा गिरी। जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। वहीं 15 लोग घायल है। नासिक से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। यहां प्रयागराज महाकुंभ से लौट रही बस खाई में गिर गई है। बताया जा रहा है कि बस करीब 200 फीट गहरी खाई में गिरी है। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। कई लोगो को मामुली चोटें आई हैं। इस हादसे में जान गवाने वाले सभी यात्री मध्य प्रदेश के निवासी बताए जा रहे हैं।

200 फीट खाई में जा गिरी

मिली जानकारी के मुताबिक यो घटना नासिक-सूरत हाईवे पर घटी है। यहां एक बस नासिक के सावतपुरा घाट से होते हुए सूरत की ओर जा रही थी। इसी दौरान नासिक-गुजरात पर बस अनियंत्रित होकर 200 फीट खाई में जा गिरी। जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। वहीं 15 लोग घायल है। इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से हादसे का शिकार हुए लोगों का रेस्क्यू कर सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद शवों का पंचनामा बनाकर के पीएम के लिए भेजा है।

अस्पताल में भर्ती कराया गया

इस भीषण हादसे को लेकर जानकारी देते हुए प्रभारी पुलिस अधीक्षक एसजी पाटिल ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब चार बजकर 15 मिनट पर घटी है। जब सापुतारा हिल स्टेशन के निकट बस चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 48 तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस अवरोधक को तोड़कर खाई में गिर गए जिसमें 7 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है जबकि 15 लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। घायलो को अहवा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केरल की अदालत ने बाबा रामदेव को थमाया गैर-जमानती वारंट

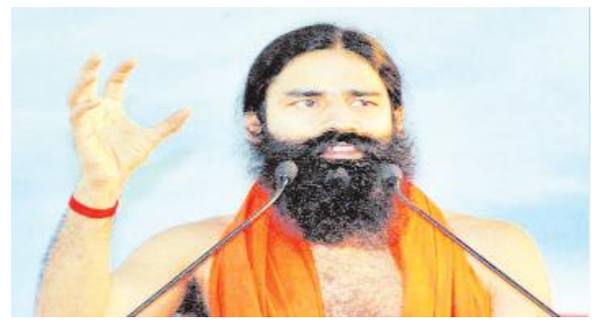

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल की एक अदालत ने योगगुरु बाबा रामदेव के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। रामदेव के अलावा पतंजलि योगपीठ के अध्यक्ष आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ भी वारंट जारी किया है। पलक्कड़ जिले की कोर्ट दोनों के ही खिलाफ यह वारंट उनकी गैरहाजिरी के कारण जारी किया है। आपको बता दें कि वे केरल के ड्रग्स इंस्पेक्टर द्वारा दिव्य फामेर्सी के खिलाफ दायर किए गए आपराधिक मामले में पेश नहीं हुए थे। यह मामला दिव्य फामेर्सी द्वारा कथित रूप से भ्रामक चिकित्सा विज्ञापन प्रसारित करने से जुड़ा है, जिस पर केरल ड्रग्स इंस्पेक्टर ने कार्रवाई की है। कोर्ट ने इन दोनों के खिलाफ 15 फरवरी को पेश होने के लिए गैर-जमानती वारंट जारी किया है। इससे पहले कोर्ट ने 1 फरवरी को इन आरोपियों के खिलाफ जमानत योग्य वारंट जारी किया था, ताकि वे कोर्ट में पेश हो सकें। बता दें कि योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड पर कई मामले रहे हैं। इनमें भ्रामक विज्ञापन, अवमानना और ट्रेडमार्क उल्लंघन जैसे मामले शामिल हैं। इन मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और पतंजलि को राहत दे चुकी है। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें चेतावनी दी थी कि अगर वे फिर से कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हैं, तो उन्हें सजा हो सकती है।पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की माफी स्वीकार कर ली थी। इस मामले में मानहानि का केस बंद कर दिया गया था।पतंजलि के कपूर वाले उत्पादों को बेचने पर रोक लगाने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट ने पतंजलि पर चार करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया था।कोविड-19 ठीक करने का दावा करने और मॉडर्न मेडिसिन को बेकार कहने के मामले में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने बाबा रामदेव पर आरोप लगाए थे।

चोरी और मारपीट की घटनाएं: चौकी प्रभारी और सिपाई भी सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। दो दिन पहले एक व्यक्ति से 11.50 लाख रुपये की लूट और छह दिन पहले हुई मारपीटी घटना को अधिकारियों से छिपाने पर एसएसपी ने चौकी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया। इसके अलावा, एक सिपाई को गर्भवती पिस्तल के गलत रखरखाव के लिए भी सस्पेंड किया गया है। दिल्ली में लिसाड़ी गेट की समर गार्डन क्षेत्र स्थित नूरनगर अंडरपास में 27 जनवरी को हुई मारपीट घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया था। इसके साथ ही 30 जनवरी को एक और व्यक्ति से 11.50 लाख रुपये की लूट हो गई थी, जिसे चौकी प्रभारी सौरभ तिवारी ने छुपाए रखा था। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने घोर लापरवाही के कारण चौकी प्रभारी सौरभ तिवारी को सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने इस मामले में विभागीय जांच भी बैठाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, सरकारी पिस्टल के गलत रखरखाव पर सिपाई दो धारों से सस्पेंड कर दिया गया है। घायल सिपाई नीरज सैनी की कुंडली पुलिस ने खंगाल ली है।

लोगों को नहीं मिल रहीं सुविधाएं, विदेशी यात्राओं में दिल्ली के बारे में बताने में आती है शर्म

विदेश मंत्री जयशंकर ने चुनावी रैली में आप सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव में अब कुछ दिन शेष रह गए हैं इसको लेकर चुनाव प्रचार तेज हो गया है। इसी कड़ी में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विदेश दौरों में उन्हें यह छुपाना पड़ता है कि देश की राजधानी दिल्ली में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। जयशंकर ने दिल्ली की आप सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अपनी विदेश यात्राओं के दौरान उन्हें यह बताने में शर्म महसूस होती है कि दिल्ली के लोगों को घर नहीं मिलते, सिलेंडर नहीं मिलते, या पानी नहीं मिलता है।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दक्षिण भारतीय लोगों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि पिछले एक दशक में अरविंद केजरीवाल की सरकार दिल्ली विकास की दौड़ में पीछे छूट गई है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछले 10 सालों में दिल्ली में विकास नहीं हुआ है। दिल्ली के नागरिकों को उनके बुनियादी अधिकार-पानी, बिजली, गैस, सिलेंडर, और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। अगर आप सरकार लोगों को उनका हक नहीं देती, तो 5 फरवरी को इस सरकार को बदलने पर विचार करें। इससे पहले जयशंकर ने एक कार्यक्रम में युवाओं से सही चुनाव करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं के बिना ह्यविकसित भारतह्ल संभव नहीं है। दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते देश के विकास की छवि को दशार्ती है। जब विदेशी लोग दिल्ली आते हैं, तो जो कुछ वे यहां देखते हैं, उससे भारत की छवि बनती है। उन्होंने दिल्ली में बुनियादी सुविधाओं की कमी पर भी चिंता जताई और कहा कि पिछले पांच सालों में मैंने कई समस्याएं देखी हैं। अवैध कॉलोनियों में सड़कें नहीं हैं, नियमित पानी की आपूर्ति नहीं है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में 5 फरवरी को मतदान होना हैं, जिसमें आप सरकार को बीजेपी की कड़ी चुनौती मिल रही है। इस चुनाव में बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल की आप सरकार को हटाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है, वहीं आम आदमी पार्टी अपनी 10 साल की उपलब्धियों को गिनाकर सत्ता में वापसी की कोशिश में है।

सोशल मीडिया पर रहने की जरूरत नहीं, मेरी पहचान मेरे काम से होगी: जुनैद खान

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड में आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने फिल्म महाराज से एक्टिंग डेब्यू किया था, और अब लवयापा की रिलीज का इंतजार कर रहे इस युवा एक्टर ने सोशल मीडिया को दिया ठुकराव और बताया कि उन्हें काम के लिए परिवार की वजह से मिलेंगे। जुनैद ने बताया कि उन्हें उनके पिता आमिर खान के दम पर मेकर्स काम देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने परिवार के दबदबे के फायदे और इसके हिस्सा होने के गर्व से बातचीत की। जुनैद ने कहा ?कि सोशल मीडिया पर रहने की जरूरत नहीं है, मेरी पहचान मेरे काम से होगी। इस नए अदाकार ने दिखाया कि काम और पैसा हर एक्टर के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, सोशल मीडिया का यह दबदबा उन्हें फायदा पहुंचाने नहीं आया। इस नए स्टार किड की आने वाली फिल्म लवयापा के रिलीज से उम्मीदें हैं कि वह भी अपने पिता की तरह बॉक्स ऑफिस पर चार चाँद लगा पाएंगे।जुनैद ने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर अपने करियर की शुरूआत की थी और फिर साल 2024 में यशराज फिल्म्स की महाराज से एक्टिंग डेब्यू किया था। जुनैद ने कहा कि आमिर का बेटा होने के कारण उन्हें कई फायदे मिले हैं और उन्हें इसका एहसास है। जुनैद से जब ट्रोल्स के बारे में पूछा गया, तो वह बोले, हम जिस स्थिति में हैं, उसके सारे फायदे ही हैं। वास्तव में किसी ने भी मेरे लिए कुछ भी नेगेटिव नहीं कहा है। मैं सोशल मीडिया पर नहीं हूं इसलिए मुझे कोई जानकारी नहीं है। यह भी एक फायदा है। मैं ऐसी पोजिशन पर हूं, जहां सोशल मीडिया पर न भी रहूं तो चलेगा। प्रोड्यूसर्स मेरी किसी पब्लिक प्रेजेंस के बिना भी मुझे साइन कर लेंगे।

महाकुंभ में पत्नी को आइना दिखाने वाला पति हुआ वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। महकुंभ से निकलने वाले वीडियो रोज वायरल हो रहे हैं। ऐसा ही एक वीडियो यहां स्नान करने आए दंपत्ति का भी वायरल हो रहा है। इसमें एक पति अपने पत्नी की अनोखे अंदाज में मदद कर रहा है। असल में संगम स्नान के बाद महिला अपना मेकअप कर रही है। इस दौरान उसका पति हाथ में शीशा पकड़कर सामने खड़ा है। इस दौरान उसने एक हाथ में पत्नी का मेकअप पाउच भी पकड़ रखा है। सोशल मीडिया पर यह क्लिप खूब वायरल हो रही है। लोग भी इसको लेकर प्यार भरी टिप्पणियां कर रहे हैं। यह वीडियो इंस्टाग्राम पर सौंदर्या शुक्ला के अकाउंट से पोस्ट किया गया है। वीडियो में नजर आ रहा है कि संगम पर भीड़ के बीच एक कपल खड़ा है। पति के एक हाथ में शीशा है और दूसरे हाथ में मेकअप का पाउच है। पत्नी अपना मेकअप कर रही है और पति धैर्यपूर्वक खड़ा है। आसपास तमाम लोग मौजूद हैं, लेकिन वह बड़ी शिद्दत के साथ अपनी पत्नी की मदद कर रहा है। यह वीडियो देखकर लोग भी काफी ज्यादा खुश हैं। कुछ लोगों ने तो अपना निजी अनुभव भी साझा किया है। एक महिला ने लिखा है कि जब हम बाहर जाते हैं तो हैंडबैग और पानी की बॉटल मेरे पति ही पकड़ते हैं। यह छोटी-छोटी चीजें हैं, लेकिन काफी मायने रखती हैं। वहीं, कुछ लोगों ने मजाकिया अंदाज में भी कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा कि पति की ड्यूटी पूरा करता एक इंसान। वीडियो पर कमेंट करने वाले तमाम लोगों ने इन पति-पत्नी की खूब तारीफ की है। कुछ लोगों ने तो पति को ह्यहसबैंड ऑफ द ईयरह्ल का खिताब दे डाला। एक यूजर ने लिखा यही सच्चा प्यार है। कोई बड़ा दिखावा नहीं, लेकिन हर दिन के छोटे-छोटे पल ही प्यार को पूरा करते हैं। एक अन्य ने लिखा कि जब आपका लाइफ पार्टनर बेहद छोटी-छोटी चीजों में आपको सपोर्ट करता है तो वही असली चैंपियनशिप होती है।

यूक्रेन के एनएसए ने अजीत डोभाल से की बात, क्या जंग रुकवाने में अहम होगी भारत की भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूक्रेन के एनएसए के बीच फोन पर बात हुई है। इसकी जानकारी खुद यूक्रेन की ओर से दी गई है। यूक्रेन ने बताया है कि पीएम नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से बात हुई है। इस बातचीत में यूक्रेन और भारत के रिश्तों को लेकर चर्चा हुई है। साथ ही यूक्रेन के मौजूदा हालात पर चर्चा हुई है। इसके अलावा यूएस प्रेसिडेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन में बदलाव के मद्देनजर साझा तौर पर किस तरह के कदम उठाए जाने चाहिए। इस लेकर भारत के साथ यूक्रेनी एनएसए ने चर्चा की है। जाहिर तौर पर ये बातचीत तब हुई है, जब बार बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहते हैं कि मैं रूस और यूक्रेन का युद्ध रुकवा दूंगा। खासतौर से जब अमेरिका और रूस दोनों ही अपने राष्ट्रपतियों के बीच बातचीत की तैयारी में लगे हुए हैं। जिसकी पृष्णभूमिक पर लगातार काम हो रहा है। ताकी दोनों देशों के बीच कोई सफल बातचीत का आयोजन करवाया जा सके। एक बात साफ है कि भारत युद्ध में एक बड़ी भूमिका के रूप में उभरा था। रूस से लेकर यूक्रेन तक भारत की भूमिका को बहुत अहम मनाता हैं। एक ओर बातचीत की तैयारी हो रही है। दूसरी ओर रूस की सेना यूक्रेन में लगातार तेजी से हमले कर रही है। रूस ने दावा किया कि उसने पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में एक और गांव पर कब्जा किया है तथा करीब तीन साल के युद्ध के बाद वह महत्वपूर्ण यूक्रेनी साजो-सामान केंद्र पोक्रोव्स्क के और नजदीक पहुंच गया है। हालांकि, रूस के दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है कि उसकी सेना ने नोवोवासिलिव्का पर कब्जा किया है। रूसी सेना महीनों से पोक्रोव्स्क और पास के चासिव यार जैसे प्रमुख दोनेत्स्क गढ़ों पर कब्जा करने की कोशिश कर रही हैं, खेत और जंगलों में अपना रास्ता बना रही हैं तथा छोटी ग्रामीण बस्तियों को अपने कब्जे में ले रही हैं।

पटना में पुलिस ने अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाया छापेमारी अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलिस ने अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। मनेर थाना क्षेत्र के व्यापुर बगीचा स्थित मुर्गी फार्म में छिपे थे अवैध हथियारों और नशीले पदार्थ। पुलिस टीम द्वारा की गई छापेमारी में 3 राइफल, 24 जिंदा कारतूस, 1 हैंड ग्रेनेड और 2 किलो गांजा बरामद किया गया। इस कार्रवाई से अवैध गतिविधियों के नेटवर्क का पदार्फाश हुआ। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मनेर थाना क्षेत्र के व्यापुर बगीचा स्थित एक मुर्गी फार्म में भारी मात्रा में अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों का जखीरा छिपाया गया है। इस सूचना के आधार पर दानापुर एसडीपीओ-2 पंकज मिश्रा के नेतृत्व में मनेर थाना पुलिस की एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। इस छापेमारी के दौरान कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन हथियारों और नशीले पदार्थों को कहां से लाया गया। खासतौर पर हैंड ग्रेनेड जैसा हथियार इनके पास कैसे पहुंच गया। साथ ही पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन सबका इस्तेमाल किस लिए किया जाना था। पटना सिटी एसपी (पश्चिमी) ने बताया कि पटना पुलिस लगातार अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चला रही है और इसी कड़ी में मनेर थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस जल्द ही पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करेगी और नेटवर्क के बाकी अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

नैक को रिश्वत दो और मनचाही रैंकिंग लो: नैक जांच टीम पर सीबीआई का शिकंजा, जेएनयू प्रोफेसर समेत 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉलेजों की रैंकिंग का आंकलन करने वाली टीम पर रिश्वत लेकर रैंक जारी करने का आरोप है। इस मामले में सीबीआई ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की इंस्पेक्शन कमेटी के अध्यक्ष और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के एक प्रोफेसर समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि एनएएसी निरीक्षण समिति के सदस्यों को (ए डबल प्लस) एक्रेडिटेशन (मान्यता) के लिए रिश्वत देने में कथित संलिप्तता के लिए केएलईएफ के कुलपति जी पी सारथी वर्मा, केएलईएफ के उपाध्यक्ष कोनेरू राजा हरीन, केएल विश्वविद्यालय, हैदराबाद परिसर के निदेशक ए. रामकृष्ण को गिरफ्तार किया है। टीम ने कहा कि इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में आंध्र प्रदेश के गुंटूर स्थित कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशन फाउंडेशन (केएलईएफ) के कुलपति और दो अन्य अधिकारी भी शामिल हैं। एजेंसी ने कहा कि पूरे भारत में चेन्नई, बेंगलुरु, विजयवाड़ा, पलामू, संबलपुर, भोपाल, बिलासपुर, गौतमबुद्धनगर और नई दिल्ली में 20 स्थानों पर जगहों पर तलाशी की जा रही है। अब तक इस कार्रवाई में 37 लाख रुपये नकदी, छह लेनोवो लैपटॉप,एक आईफोन 16 प्रो मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए हैं। सीबीआई की इस रेड के बाद से ही हड़कंप मच गया, तलाश के दौरान टीम को कई कीमती चीजें बरामद की गई हैं। जांच के दौरान नकदी, सोना, मोबाइल फोन और लैपटॉप के भी बरामद किए गए हैं। यही कीमती सामान रिश्वत के तौर पर दिया गया था। सीबीआई ने कहा कि केएलईएफ के अध्यक्ष कोनेरू सत्यनारायण, एनएएसी के पूर्व उप सलाहकार एल मंजूनाथ राव, बेंगलुरु विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एम. हनुमंथप्पा और एनएएसी के सलाहकार एम एस श्यामसुंदर का नाम भी बतौर आरोपी एफआईआर में दर्ज किया गया है।

दिल्ली में बोले सीएम यादव-

केजरीवाल वर्तमान का रावण

:उत्तम नगर विधानसभा में किया जनसभा को संबोधित, कहा-सत्ता की आड में रचा झूठा प्रपंच

भोपाल। दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन रविवार को सीएम डॉ मोहन यादव ने उत्तम नगर विधानसभा में बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने कहा, जिस तरह रावण ने सीता माता का हरण करने के लिए सोने का एक झूठा हिरण बनाया था। उसी तरह से केजरीवाल ने सत्ता की आड में झूठा प्रपंच बनाया। ये केजरीवाल वर्तमान का रावण है। केजरीवाल ने दिल्ली को कहां से कहां गिरा दिया। इन्हें जनता से कोई लेना देना नहीं हैं।

अंग्रेज गए और कांग्रेस आ गई

सीएम ने कहा- भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस इन सभी ने लोकतंत्र की स्थापना के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर अपना शीश भारत माता के चरणों में चढ़ा दिया। लेकिन, दुर्भाग्य से अंग्रेज गए और कांग्रेस आ गई। राजनीति के चार चक्कर घुमाकर एक घर में सारी ताकत घुसेड़ दी। दिल्ली में चार बार उनके ही घर में से ही प्रधानमंत्री बनते हैं। आम जनता बनती ही नहीं हैं। ये क्रांतिकारियों ने क्यों बलिदान दिया। उन्हें बैठने का मौका नहीं दिया। ये कांग्रेस का चरित्र है।

परिवार में कोई विधायक सांसद नहीं बना, मैंने कमल का फूल पकड़ा बीजेपी ने सीएम बना दिया

सीएम डॉ मोहन यादव ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा-मेरे परिवार में कभी कोई मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक नहीं बना। केवल मैंने कमल का फूल पकड़ा और भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाकर हमको गौरवान्वित किया। ये बात बताती है कि सच्चे अर्थों में हमारे देश में आजादी है। चंद्रशेखर आजाद ने अपने जीवन के सबसे अच्छे समय को अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़कर निकाला। उन्होंने कहा मैं आजाद हूं आजाद मरुंगा। उन्होंने खुद की रिवॉल्वर से अपने प्राणों का अंत किया। इसी दिल्ली में पार्लियामेंट में भगत सिंह ने बम फेंककर कहा कि देश में जनतंत्र की सरकार होना चाहिए। आक्रांताओं और राजसी सत्ता वाले लोगों को बाहर करना चाहिए।

सीएम ने कहा- एक तरफ कांग्रेस का और उससे बड़ा बाप ये आप वाला आ गया। इसने कांग्रेस और बीजेपी के बीच में से झूठा स्वप्न दिखाया। जैसे सीता माता का हरण हुआ। रावण ने माया रचकर सीता माता के हरण का षडयंत्र रचा। उसकी निगाह में दृष्टि दोष था। उसने सोने का मृग बनाया और सीता माता को भिक्षा मांगने के बहाने जाल में फंसाया। ये वर्तमान का रावण है केजरीवाल। सत्ता की आड में झूठा प्रपंच बनाकर इसने दिल्ली को कहां से कहां गिरा दिया। इसको जनता से कोई लेना देना नहीं था।

केजरीवाल ने कितने झूठ बोले

डॉ. यादव ने कहा, केजरीवाल को केवल कुर्सी चाहिए थी। तो क्या-क्या झूठ नहीं बोला। मैं दो कमरे के मकान में फ्लैट में रहूंगा। मैं पार्टी नहीं बनाउंगा। बेचारे अन्ना हजारे रो रहे हैं, कहां केजरीवाल से पाला पड़ा। सत्यानाश कर दिया पूरी दिल्ली का। आज दिल्ली में कचरे के पहाड़ लगे हैं। चारों तरफ गंदगी हो रही। यमुना जी के आंसू बह रहे। इनको फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली की जनता ने तय कर लिया है। जब अयोध्या में भगवान राम मुस्करा रहे हैं तो यमुना जी का कृष्ण कन्हैया वो क्यों चुप रहेगा। दिल्ली को दुनिया की सबसे अच्छी राजधानी बनाना है। डबल इंजन की सरकार चलाना है।

प्राइवेट स्कूल संचालक अब बीजेपी कार्यालय पर देंगे धरना

मुंडन कराकर मांगेंगे इच्छा मृत्यु; नए मान्यता नियमों का है विरोध

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्राइवेट स्कूलों के मान्यता नियमों में बदलाव को लेकर अब स्कूल संचालक अब 4 फरवरी को भाजपा कार्यालय के सामने धरना देंगे। इससे पहले स्कूल संचालकों ने 10 जनवरी को हड़ताल की थी। वहीं, महीने भर पहले स्कूल संचालक राज्य शिक्षा केंद्र कार्यालय परिसर में जमकर नारेबाजी कर चुके हैं। स्कूल संचालक इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन दे चुके हैं। स्कूल संचालकों का कहना है कि इससे पहले हम सीएम से लेकर शिक्षा मंत्री व अपने-अपने जिलों के विधायकों के सामने इस संबंध में गुहार लगा चुके हैं। प्रदेश सचिव संचालक मंच अनुराग भार्गव कहते हैं कि पिछले एक साल से लगातार सीएम, मंत्री, विधायक, डीपीसी, बीआरएस से गुहार लगा चुके है। धरना प्रदर्शन भी किया है। 30 जनवरी को प्रदेश के स्कूल बंद किए गए पर सरकार मान्यता नियम मे बदलाव को लेकर कुछ सुनने को तैयार नहीं है। अब आगे संचालक मंच अपने साथियों के साथ 4 फरवरी को प्रदेश भाजपा कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन करेंगे। कोषाध्यक्ष मोनू तोमर ने कहा कि कुछ संचालक मुंडन करवाएंगे, तो कुछ सरकार से इच्छा मृत्यु मांगेंगे। सरकार जब स्कूल बंद करने पर तुली है तो संचालक भी हार मानने को तैयार नहीं है।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने मान्यता में नियमों के बदलाव को लेकर 30 जनवरी को हड़ताल की, इसके बाद 31 जनवरी मान्यता के लिए आवेदन करने की आखिरी डेट थी। इस दिन करीब 2.5 हजार स्कूलों ने मान्यता के लिए आवेदन किया। इस तरह से प्रदेश में कुल 10 हजार से अधिक स्कूल मान्यता के लिए आवेदन 31 जनवरी तक कर चुके हैं। दूसरी तरफ, विभाग ने मान्यता के लिए आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। इसके लिए आदेश भी आरएसके ने जारी कर दिया है।

मान्यता के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 31 जनवरी से बढ़ाकर 7 फरवरी कर दिया है। राज्य शिक्षा केंद्र के अधिकारियों की माने तो अंतिम तारीख बढ़ाई तो गई है। इसके लिए स्कूल 7 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं। वहीं, विलंब शुल्क के साथ वह 14 फरवरी तक भी आवेदन कर सकते हैं।

ग्वालियर-चंबल में आज बादल छाएंगे

एमपी में अब सुबह-रात ही ठंड, दिन में धूप चुभेगी; तापमान 32 डिग्री पार

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब सुबह और रात में ही ठंड का असर रहेगा, जबकि दिन में धूप चूभेगी। फरवरी के पहले दिन ऐसा ही मौसम रहा। मंडला, मलाजखंड, खंडवा और खरगोन में तापमान 32 डिग्री के पार पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से 3 फरवरी को उत्तरी हिस्से यानी, ग्वालियर-चंबल में बादल छाएंगे। बूंदाबांदी भी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक ने बताया, प्रदेश के कुछ हिस्से में पहले सप्ताह में बादल छाए रहेंगे। 12, 13 और 14 फरवरी को बारिश होने का अनुमान है। 20 फरवरी के बाद ठंड का असर और कम होगा। जिससे दिन-रात दोनों ही तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी।

इस वजह से बदलेगा मौसम : मौसम विभाग के अनुसार, 3 फरवरी से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। जिसका असर पश्चिम-उत्तरी भारत में रहेगा। इसी वजह से प्रदेश के उत्तरी हिस्से में भी बादल छाने और

बूंदाबांदी होने के आसार है। हालांकि, ये सिस्टम ज्यादा स्ट्रॉन्ग नहीं है। इस वजह से तेज बारिश होने की संभावना कहीं भी नहीं है।

फरवरी के पहले दिन 30 डिग्री से ज्यादा तापमान : फरवरी के पहले दिन शनिवार को मंडला में 32.4 डिग्री, मलाजखंड में 32.9 डिग्री, खंडवा में 32.5 डिग्री और खरगोन में तापमान 32 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, बैतूल, रतलाम, दमोह, जबलपुर, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, टीकमगढ़ और उमरिया में पारा 30 से 31 डिग्री के बीच ही रहा। रविवार को तापमान में और भी बढ़ोतरी होगी। वहीं, शुक्रवार-शनिवार की रात में सागर में 16 और सिवनी में पारा 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

'कमाल का भोपाल' अभियान का हर मंच पर प्रमोशन

क्रेडाई ने मुख्य सचिव को सौंपी रिपोर्ट; जीएसआई में भी प्रमोट होगी

भोपाल। भोपाल को लॉजिस्टिक्स, टूरिज्म और स्मार्ट इंडस्ट्रीज का केंद्र बनाने के उद्देश्य से क्रेडाई भोपाल ने 'कमाल का भोपाल' इंसेप्शन रिपोर्ट तैयार की है। शनिवार को रिपोर्ट मुख्य सचिव अनुराग जैन को सौंपी गई। मुख्य सचिव जैन ने रिपोर्ट को एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए इसकी सराहना की। साथ ही इसे आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रमोट करने की बात कहीं। बैठक में क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक के नेतृत्व में सचिव सुनील गुप्ता, उपाध्यक्ष और आर्किटेक्ट विपिन चौहान, कोषाध्यक्ष संजीव सिंह ठाकुर और पूर्व अध्यक्ष विपिन गोयल शामिल हुए। मुख्य सचिव जैन ने अध्यक्ष मीक के प्रयास और सुझावों की सराहना की। कहा कि भोपाल का समग्र विकास पूरे राज्य की प्राथमिकता होनी चाहिए। मीक ने राजधानी के प्रागैतिहासिक ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए समरांगण सूत्रधार और अन्य प्रमाणिक ग्रंथ व किताबें भेंट की। जिस पर मुख्य सचिव जैन ने विशेष रुचि

दिखाई और कहा कि, प्रधानमंत्री के ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट प्रवास के दौरान भोपाल की इन विशेषताओं को उनके समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने ही तैयार कराई रिपोर्ट

बता दें कि मुख्य सचिव जैन ने क्रेडाई के प्रस्ताव पर राजधानी भोपाल के समग्र विकास पर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश मीक को दिए थे। शहरी उत्कृष्टता पर काम कर रहे मीक पिछले दशक से भोपाल का गौरव स्थापित करने के इस अभियान को सफल बनाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। यह व्यक्तिगत रूप से भी उनके शोधपूर्ण प्रयासों की सफलता है।

तीर्थों का राजा कहा है प्रयागराज

नैमिषारण्य, तीर्थों में श्रेष्ठ है : स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि

प्रयागराज। भारतवर्ष तीर्थों का देश है। हमारी गौरव-गरिमा पवित्र राष्ट्रीय इस वसुन्धरा में उत्तर-दक्षिण -पूर्व-पश्चिम दिशा में अनेक तीर्थ शताब्दियों से स्थापित हैं।सभी तीर्थों का अपना-अपना महत्त्व है। प्रयागराज की विशेषताओं को यदि रेखांकित करना है तो हमें अपने भारतीय पौराणिक ग्रन्थों का आश्रय लेकर उसके महत्त्व को वर्तमान संदर्भ में प्रस्तुत करना होगा।तीर्थ भारत की आत्मा है,भारतीय वसुन्धरा की चेतना हैं, तीर्थ। तीर्थ भारत का अतीत हैं तो वे इस भरत भू-सीमा के वर्तमान की तस्वीर भी हैं और भविष्य में भी उनका मान-महत्त्व अतीत की भांति प्रासंगिक रहेगा। प्रयागराज में गंगा,यमुना और सरस्वती की त्रिधाराओं के मिलन को ही "संगम" कहा गया है, यहां जल की तीन धारायें ही"त्रिवेणी"का निर्माण करती हैं।इस त्रिवेणी के तट पर सृष्टि के निमार्ता "ब्रह्मा",सृष्टि के पालनकर्ता"विष्णु" और सृष्टि के संहारक(कल्याणकर्ता)महेश ने संयुक्त रूप से एक वृक्ष का रोपण अपनी गरिमा पूर्ण उपस्थिति में किया है;इस वट वृक्ष को"अक्षय वट्"कहते हैं। "सतयुग में रोपा गया यह बरगद का पौधा युगों युगों का साक्षी है।भारत भूमि के इस विशाल भू-भाग में परिवर्तन,उत्थान-पतन हुये हैं,उन सबका साक्षी यह वट् वृक्ष इतनी लम्बी आयु वाला हमें अपने दर्शन मात्र से"दीघार्यु सत्य"का वरदान देता है,इसे शास्त्रों में"विश्वास का प्रतीक", माना गया है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से एक बड़ा संदेश"वैश्विक स्तर"पर यहां से निर्गत होता है जो "ग्लोवल

वार्मिंग " से बचने और बचाने की प्रेरणा देता है।इस तीर्थ के देवता"श्री वेणी माधव "भगवान हैं। यहां स्थापित"नागवासुकी "का मंदिर भारतीय धरा के ऐतिहासिक संदर्भ का पावन स्मरण कराता है।"अमृत-कलश "की गौरवमयी गाथा जो समुद्र मंथन के(देव -दानव रूपी दो प्रवृत्तियों) के पुरुषार्थ जन्य परिणाम के रूप में मिला उस कलश से "अमृत की कुछ बूंदें"यहां छलकी,इस कारण यहां की धरती पवित्र और अमृतमयी हो गई; यहां "पूर्ण कुम्भ" आयोजित होने का ऐतिहासिक प्रमाण और पारम्परिक अवधारणा बारह-बारह वर्षों के अन्तराल से पुष्ट होती है।इस तीर्थराज प्रयाग में भारतवर्ष के(तत्कालीन आर्यावर्त के) सर्वश्रेष्ठ अध्यात्म साधक विविध वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसंधानकर्ता"भरद्वाज ऋषि"का आश्रम है जो भारतीय ऋषि-मुनि परम्परा का स्मरण कराता है, इसीलिए शास्त्र वचन मिलता है-

स तीर्थराजो जयति प्रयाग:

त्रेता युग के महानायक मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी अपनी पत्नी भगवती सीताजी और अनुज लक्ष्मण सहित "त्रिवेणी दर्शन और स्नान हेतु यहां आयें;यह भी यहां का ऐतिहासिक संदर्भ है प्रत्येक युग में अतीत के इस गौरव ने यहां के हर युग के और वर्तमान को गौरव गान से मुखरित किया है। तीर्थों के राजा प्रयागराज की महिमा देख और सुन हम भारत माता की संतानें गौरव और गर्व का अनुभव करते हैं।"धर्म,अर्थ,काम और मोक्ष का वरदान देने वाली त्रिवेणी के महत्त्व को हम सनातनी कभी भी विस्मरण नहीं कर सकते" भारतवर्ष की पावनी धरा पर एक तीर्थ सतयुग से ही स्थापित पारम्परिक सत्य और तथ्य है, जिसे हम "नैमिषारण्य"तीर्थ कहते हैं।गोस्वामी श्री तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में इस तीर्थ का महत्त्व बताया है-इसे तीर्थों के इतिहास में "सर्वश्रेष्ठ "तीर्थ निरूपित किया है-- तीरथ बर नैमिष विख्याता-अति पुनीत साधक सिधि दाता।। साधकों को उनकी साधना की सिद्धि प्रदान करने वाला तीर्थ"नैमिषारण्य", जहां 88हजार ऋषि-मुनि सदैव निवास कर"आध्यात्मिक साधना की अक्षय ऊर्जा को हर युग में जागृत और चैतन्य प्रदान करते हैं।इस तीर्थ में "गोमती नदी"निरंतर प्रवहमान है। आज भी यह तीर्थ अपने "मूल स्वरूप"में अवस्थित है। हम मनुष्यों के आदि पुरुष जिनकी हम संतानें हैं ऐसे मानवता के श्रेष्ठ तम आदर्श"श्री मनु जी महाराज ने अपनी सहधर्मिणी शतरूपा महारानी सहित यहां कठिन तप करके अपनी संतति का सुखद् जीवन और उसकी सर्वांगीण लोक प्रशस्ति और पारलौकिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। इन्हीं मनु जी ने महाराज ने मानव मात्र के लिये "चतुर्विधा पुरुषार्थ उपार्जित करने के लिये चार आश्रम की व्यवस्था दी।चार आश्रम व्यवस्थित जीवन जीने के महत्त्वपूर्ण सूत्र हम मनुष्यों के "जीवन यात्रा "के "अमर पाथेय" हैं।

इस नैमिषारण्य तीर्थ में त्याग, बलिदान,सर्वस्व न्योछावर कर देने और दान की गौरव गाथा किसी से भी छिपी नहीं है।किसी भी देश,काल,परिस्थिति और युग में जब-जब "नैमिषारण्य तीर्थ का स्मरण किया जायेगा, महादानी महर्षि दधीचि के समक्ष हमारा मस्तक(हम भारतीयों का माथा)उनके सम्मान में झुका रहेगा।

सतलोक आश्रम में महासमागम, लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना

बैतूल। सतलोक आश्रम बैतूल में आगामी 6, 7 और 8 फरवरी को परमेश्वर कबीर साहेब जी के निर्वाण दिवस(सशरीर सतलोक गमन दिवस) एवं 15, 16 और 17 फरवरी को संत रामपाल जी महाराज के बोध दिवस (नामदान ग्रहण दिवस) के उपलक्ष्य में भव्य महासमागम का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में प्रदेशभर से लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

इस महासमागम के मद्देनजर संत रामपाल जी महाराज जी के अनुयायी राजनेताओं,अधिकारियों और आमजन को घर-घर जाकर निमंत्रण पत्र वितरित कर रहे हैं। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से सभी धर्म प्रेमी जनता को इस समागम में पधारने का न्यौता दिया गया है। आयोजन

के दौरान आध्यात्मिक सत्संग, निःशुल्क नामदीक्षा, संत गरीबदास जी महाराज जी द्वारा लिखित अमर ग्रन्थ साहिब का अखंड पाठ,दहेज मुक्त विवाह, रक्तदान शिविर,देहदान शिविर व महापुरुषों की जीवनी पर आधारित आध्यात्मिक प्रदर्शनी का विशेष आयोजन होगा।

आयोजन की मुख्य तिथियां:

6, 7, 8 फरवरी 2025 - परमेश्वर कबीर साहेब जी के निर्वाण दिवस पर विशेष समागम

15, 16, 17 फरवरी 2025 - संत रामपाल जी महाराज के बोध दिवस पर भव्य महासमागम

महासमागम का महत्व

यह महासमागम प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है क्योंकि 507 वर्ष पूर्व परमेश्वर कबीर जी मगहर से सहशरीर सतलोक गए थे। इसके अलावा, 17 फरवरी को संत रामपाल जी महाराज जी को उनके पूज्य गुरुदेव स्वामी रामदेवानंद जी महाराज जी से नामदीक्षा प्राप्त हुई थी, जिसे अनुयायी बोध दिवस के रूप में मनाते हैं। इस भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सत्संग का लाभ उठाएंगे और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। समागम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रहने खाने पीने की उत्तम व्यवस्था की जा रही है। भव्य सत्संग पांडाल बनाए गए है साथ ही प्रसाद रूप में शुद्ध देशी घी से निर्मित भोजन सब्जी,पूड़ी, दाल, चावल, बूंदी, लड्डू, जलेबी व बर्फी का प्रसाद वितरित किया जाएगा। यह भव्य समागम सामाजिक समरसता,आपसी भाईचारे व मानव समाज को सही दिशा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

हाड़ी रानी जयंती पर माँ नर्मदा की भव्य महाआरती

मां नर्मदा को स्वच्छ रखने हाड़ी राजपूतानी क्लब ने लिया संकल्प

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हाड़ी राजपूतानी क्लब द्वारा हाड़ी रानी की जयंती के उपलक्ष्य में नर्मदा मैया की भव्य महाआरती गौरीघाट में आयोजित की गई। मां नर्मदा महाआरती के संयोजक पंडित ओंकार दुबे के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में त्रिपुरी टाइम्स के संपादक डॉ राजेश जायसवाल, उत्तरप्रदेश-बिहार महासंघ, महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति त्रिपाठी की विशेष उपस्थिति रही। क्लब की श्रीमती अन्नु सिंह ने बताया कि इस अवसर पर पीहर वुमेन्स क्लब द्वारा मातृशक्ति को हल्दी कुमकुम के साथ प्रसाद वितरण किया गया। माँ नर्मदा को स्वच्छ रखने का संकल्प सभी नर्मदा भक्तों को तेजस्विनी दुबे ने दिलाया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम मे हाड़ी राजपूतानी क्लब की फाउंडर-डॉ मधुलिका सिंह चौहान, मोना सिंह सोलंकी, को-फाउंडर-सीमा सिंह, शिवा सिंह और पीहर वुमेन्स क्लब की फाउंडर श्रीमती अन्नु सिंह, शिखा विश्वकर्मा, को-फाउंडर रत्ना पटेल, गीता कुशवाहा, बोर्ड आफ डायरेक्टर की गजल, अनामिका, आभा, संजना, रविता नित्या, रेनू सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कलेक्टर व एसपी ने अधिकारियों के साथ नर्मदा प्राकट्योत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर दीपक सक्सेना व पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने आज गौरीघाट पहुंचकर नर्मदा प्राकट्योत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पर्व में पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने, श्रद्धालुओं के लिए आवागमन व्यवस्थित करने, निगरानी के लिए वॉच टावर बनाने, अस्थाई मेडिकल कैंप व एंबुलेंस की व्यवस्था रखनें एवं किसी प्रकार का व्यवधान न हो, इसलिए नर्मदा तट पर स्थित अस्थाई दुकानों को हटाने के

आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। साथ ही उन्होंने अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्व में नर्मदा स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, पूजन सामग्री से नर्मदा जल को दूषित न होने दें, होमगार्ड की टीम मौके पर रहे। उन्होंने कहा कि नर्मदा प्राकट्योत्सव को शांति और सौहार्दपूर्ण मनाने के लिए सभी लोग एक दूसरे का सहयोग करने की बात कही।

मुक्तिधाम में व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

खितौला में हिरन नदी मुक्तिधाम में व्यवस्था के लिए सामाजिक कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को चिट्ठी लिखकर मुक्तिधाम में अनेक सुविधाओ की मांग की है। अपने पत्र में सामाजिक कार्यकर्ता प्रेमलाल यादव और उनके साथियों ने मुख्यमंत्री से मांग की कि सिहोरा नगरीय क्षेत्र के 18 वार्डो में सात वार्ड खितौला अंतर्गत आते है।इन वार्डो में निवासरत व्यक्ति की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार वर्षो से हिरन नदी घाट पर ही होता रहा है।परंतु इस मुक्तिधाम में लकड़ी और अस्थियों के रखने हेतु लॉकर की व्यवस्था नही है।सामाजिक कार्यकताओं राजेश पटेल,मोनू ठाकुर,राधाबाई, गोलू बर्मन,गोरेलाल,बिहारी पटेल,मनोज यादव,तीरथ पटेल,सुशील चौबे,राजा पांडे,प्रमोद पांडे आदि ने मुख्यमंत्री मोहन यादव और सिहोरा विधायक से इस विषय में ध्यान देने की मांग की है।

देर रात 3 बजे सिविल लाइन थाने में धरने पर बैठे विधायक लखन घनघोरिया

20 हजार की जमानत पर कोर्ट से छूटे ठरवककार्यकर्ता

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर के रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में शनिवार को ठरवक कार्यकताओं ने आरएसएस बेन वाले पुराने बैनर लगाए, इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और एनएसयूआई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार की देर रात और रविवार की अल सुबह 3:00 बजे विधायक लखन घंघोरिया सिविल लाइन थाने धरना देने पहुंचे, तब प्रशासन ने कार्यकताओं को छोड़ा, लेकिन बाद में पुनः गिरफ्तार कर लिया। घटनाक्रम की जानकारी देते हुए छात्र नेता श्रीकांत विश्वकर्मा ने बताया कि सत्ता के दबाव में सिविल लाइन पुलिस और क्राइम ब्रांच ने अनावश्यक परेशान करने की नीयत से कार्यकताओं को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। न्यायालय ने 20 हजार की जमानत पर कार्यकताओं को रिहा किया।

हमें प्रकृति के संदेश को आत्मसात करना चाहिए-मंत्री श्री सिंह

मंत्री श्री सिंह बसंत उत्सव में हुए शामिल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह आज मानस भवन में अधिवक्ताओं द्वारा आयोजित बसंत उत्सव के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बसंत उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बसंत ऋतु का आना ऋतु परिवर्तन का प्रतीक है। प्रकृति का हर परिवर्तन नए रूप में होता है, वही सकारात्मक ऊर्जा भी साथ में लाती है। हमें प्रकृति के संदेश को आत्मसात करना चाहिए। समाज में एक सकारात्मक बदलाव आना चाहिए और समाज के भीतर सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ओपीनियन मेकर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अधिवक्ता समाज के संभ्रांत लोग होते हैं, जो राय देने व राय बनाने का काम करते हैं। वकील समाज में ओपीनियन मेकर की भूमिका में होते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से प्रारंभ हुआ, इस दौरान प्रतिष्ठित अधिवक्ताओं के साथ श्री जीएस ठाकुर, श्री अभय सिंह ठाकुर सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

बसंत पंचमी पर अधिवक्ता मिलन कार्यक्रम आयोजित

देते हुए बताया किबसंत पंचमी के अवसर पर हमने अधिवक्ता मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया हैइस कार्यक्रम मेंमुख्य अतिथि महाधिवक्ता मध्य प्रदेश शासनप्रशांत सिंह जीहैसाथ ही शहर केगणमान्य जन्म प्रतिनिधिउपस्थित हुएकार्यक्रम मेंसामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिवक्ताओं के बच्चोंवरिष्ठ अधिवक्ताओंका भी सम्मानित किया गयाइस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमपरिवार जनों के द्वारा आयोजित किया गया।

सिहोरा जिला न बनने से आक्रोशित सिहोरा वासी

चार फरवरी को करेंगे विधायक कार्यालय का घेराव

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

विधानसभा चुनाव के पूर्व दो वर्ष का लंबा आंदोलन,चुनाव के पूर्व स्टार प्रचारकों से जिला बनाने के सार्वजनिक वादे और अब विधायक सांसद से लगातार मिल रहे कोरे आश्वासनों से नाराज लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने अब आंदोलन का ऐलान कर दिया है।आगामी चार फरवरी को सिहोरा विधायक कार्यालय के घेराव से इस आंदोलन की जंगी शुरूआत की जाएगी।

विधायक बरकड़े के कोरे वादे - विधानसभा चुनाव के पूर्व खुलकर सिहोरा को जिला बनाने की वकालत करने वाले सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े अपने विधायक कार्यकाल के एक वर्ष बीत जाने के बाद भी धरातल पर जिले के लिए कुछ करते दिखाई नहीं दे रहे है।सितंबर 2024 से वे लगातार सिहोरा जिला मुद्दे पर सिहोरा वासियों के साथ मुख्यमंत्री से मिलने का वचन दे रहे है पर पांच माह में वे ऐसा कुछ न कर सके।सांसद आशीष दुबे भी सिहोरा विधायक के साथ मुख्यमंत्री से मिलने का आश्वासन लगातार देते जा रहे है।दोनो जिम्मेदार नेताओ के कभी पूरे न होने वाले कोरे आश्वासनों से अब सिहोरा वासी परेशान हो चुके है।

सर्वदलीय से कांग्रेस ने बनाई दूरी - सारे राजनैतिक दलों को एक मंच में लाने में सफल रही लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति की बैठक विगत दिवस बाबाताल मंदिर में संपन्न हुई,जिसमे सर्वदलीय आंदोलन समिति के मुख्य घटक कांग्रेस पार्टी ने यह कहकर बैठक से अपनी दूरी बनाई कि दल दल की राजनीति से परे जाकर कांग्रेस ने सिहोरा हित में एक मंच पर आने का निर्णय लिया था पर सिहोरा विधायक और जबलपुर सांसद के लगातार टाल मटोल करने से अब वे अपना विश्वास खो चुके है।

सड़क का संघर्ष ही एकमात्र रास्ता - सिहोरा जिला मुद्दे पर विधायक सांसद के सिर्फ कोरे आश्वासनों से समय गुजरते देख लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने अब आम जनता के साथ सड़क के संघर्ष का ऐलान कर दिया है।चार फरवरी को विधायक कार्यालय के घेराव के साथ ही जिला बनने तक निरंतर चलने वाले आंदोलन की शुरूआत की जावेगी।

ऐसे मिलते रहे कोरे आश्वासन - दिनांक 08.09.2023 को प्रह्लाद पटेल ने सिहोरा जिला का समर्थन भाजपा की विकास यात्रा में किया। दिनांक 08.11.2023 को भाजपा प्रत्याशी रहे वर्तमान विधायक संतोष बरकड़े ने उन्हें जिताने पर सिहोरा जिला बनवाने का वादा किया। दिनांक 15.11.2023 को स्मृति ईरानी ने भाजपा को जिताने पर सिहोरा जिला के लिए खुद आगे आने का वचन दे भाजपा के लिए वोट मांगा। दिनांक 16.11.2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा को जिताने पर सिहोरा जिला बनाने का वादा किया।\ दिनांक 01.09.2024 को विधायक संतोष बरकड़े ने तीन दिवस के अंदर सिहोरा वासियों के साथ मुख्यमंत्री से मिलने का वादा किया। दिनांक 06.11.2024 को सांसद आशीष दुबे ने सिहोरा जिला मुद्दे का समर्थन करते हुए विधायक बरकड़े के साथ मुख्यमंत्री से बात करने का वचन दिया समिति के विकास दुबे, कृष्णकुमार कुररिया,अनिल जैन,मानस तिवारी,सुशील जैन,अमित बक्शी,रामजी शुक्ला,आशीष भार्गव,नितेश खरया,नंद कुमार परौहा,नवीन शुक्ला,सुशील काछी,प्रदीप दुबे,राजभान मिश्रा,,संतोष पांडे,राजेश कुररिया आदि ने सभी सिहोरा वासियों से चार फरवरी दोपहर दो बजे बस स्टेंड सिहोरा पहुंचने का आह्वान किया है।

विद्यार्थियों का विदाई समारोह संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, गोकलपुर में कक्षा 11 वीं की छात्राओं ने कक्षा 12 वीं की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया। शाला की संकुल प्राचार्या श्रीमती रुक्मणी कनोजिया जी ने छात्राओं को आशीर्वचन दिये, उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में विविधता रही। अनेक मजेदार गेम्स हुए जिनमें गुरुजनों एवं छात्राओं ने भाग लिया। डांस -गीत इत्यादि की जोरदार प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर दिलीप सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्रा व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिवक्ताओं के बच्चों एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं का किया गया सम्मान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रविवार को बसंत पंचमी अधिवक्ताओं ने भी बड़े ही धूमधाम से मनाई। जिला अधिवक्ता संघ की उपाध्यक्ष एडवोकेट ज्योति राय ने जानकारी

5000 सुहागले एवं गोद भराई सम्पन्न

नशा मुक्ति का लिया संकल्प

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में निशुल्क माघ मास कल्पवास आज से 10 वर्ष से पहले चालू हुआ आज कल्पवास के 21 वे दिन 5000 माता बहनों की सुहागले एवं गोद भराई की रस्म किन्नर समाज के द्वारा की गई सभी ने एक स्वर में नशा मुक्ति का संकल्प लिया साथ ही नर्मदा को स्वच्छ रखेंगे दोनों हाथ उठाकर जय कारे लगे आश्रम के द्वारा सभी माता को आश्रम के द्वारा सभी माता को मातृशक्तियों को सुहागले चुड़िया बिंदी गुड़ चना पान बूंदी आदि सामान दिया गया नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया. ज्ञानेश्वरी दीदी मैत्रि दीदी विद्या भारती अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविंद पंत अमित दवे शरद अग्रवाल किन्नर मंगलामुखी समाज की हीरा दीदी कैट शर्मा बबली तिवारी काजल दीदी खिलौना दीदी राधिका दीदी पूजा दीदी मोना दीदी कामिनी दीदी गोद भराई की रस्में करी

यह रहे उपस्थित : इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉ शिव शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे पप्पू चौबे श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान सुरेश विश्वकर्मा कैलाश विश्वकर्मा मोहित तिवारी आदि उपस्थित थे

नर्मदा प्रकटोत्सव की पूर्व संध्या पर 1100 फुट की चुनरी से श्रृंगार आज

गर्भ ग्रह से आज निकलेगी नर्मदा जी की पादुका

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रतिवर्ष अनुसार इस 22 वे वर्ष में नर्मदा उमाशंकर चुनरी भक्त समिति के द्वारा सोमवार को उमाघाट ग्वारीघाट इस पार से गुरुद्वारा घाट उस पार तक शाम 4:00 बजे 1100 फुट की चुनरी परम पूज्य संतो स्वामी गिरीसानंद महाराज, स्वामी पागलनंद महाराज, स्वामी काली नंद महाराज ,स्वामी इंद्रभान महाराज, स्वामी राम भारती महाराज, स्वामी सुरेंद्र नाथ महाराज, रोहित महाराज के सानिध्य में किया जाएगा। गर्भग्रह से साल में एक बार नर्मदा जी के पादुका दर्शन दुग्धभिषेक दीपदान महाआरती कन्या पूजन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उपस्थिति की अपील नर्मदा महा आरती के संस्थापक चुनरी समिति के संरक्षक डॉ सुधीर अग्रवाल चुनरी समिति के अध्यक्ष जयकिशन गुप्ता नर्मदापुत्र ,अमर सिंह ठाकुर ,डॉक्टर सुचित्रा मिश्रा, राकेश अहिरवार, सोनू सैनी, प्रमोद नागर ,सुरेंद्र खरे ,राजेश साहू , समीर पटेल ,नीतीश पटेल,अतुल विश्वकर्मा,अंकुर श्रीवास्तव, मोनू सोनकर, आशीष वाजपेई ,गोलूपुरी गोस्वामी ,कमल विश्वकर्मा ,मनोज कुशवाहा ,एवं कान्यकुब्ज वैश्य महिला मंडल की बहने उपस्थित रहेगी।

नवयुग कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नवयुग कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय तिवारी के निर्देशन पर वाणिज्य संकाय के छात्र-छात्राओ को विगत दिवस औद्योगिक भ्रमण के लिए पारले जी फैक्ट्री आधारताल ले जाया गया। जहां पर वीडियो के द्वारा पारले जी के समस्त उत्पादों का निर्माण की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की गई और और मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का भ्रमण कराया गया। जिसमें विद्यार्थियों को व्यवसायिक ज्ञान प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों के साथ वाणिज्य संकाय की विभागाध्यक्ष डॉ. नम्रता पाटिल, डॉ. चांदनी चौरसिया, रामस्वरूप जाटव और डॉ अशोक नायक उपस्थित थे।

डीपसीक का फायदा और खतरा भी!

डीपसीक, एक चैटबॉट ऐप, कुछ ही दिनों में संयुक्त राज्य अमेरिका में लाखों डाउनलोड किया गया था, और एकमात्र चर्चा यह थी कि क्या यह एक संयोग था कि यह उस दिन हुआ था जब डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला था। वास्तव में डीपसीक क्या है? उसे इतना गलत क्यों लिखा जा रहा है? कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विशेष रूप से अमेरिकी दिग्गजों के पेट में गांठ क्यों है? हजारों लोगों को करोड़ों रुपये का नुकसान कैसे हुआ? निकट भविष्य में और क्या होने वाला है? अगर हम यह सब नहीं जानते हैं, तो हमें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ChatgPT, Google, Meta और अरबों डॉलर जैसे दिग्गजों को विकसित करने में लगने वाली तकनीक को चीनी डीपसीक ने कड़ी टक्कर दी है। कुछ ही महीनों में और छह मिलियन डॉलर के निवेश के साथ, डीपसीक दुनिया भर में मुफ्त में उपलब्ध हो गया है। दुनिया भर में पैसा बनाने के व्यवसाय को खोलने वाली तकनीक के स्वामित्व ने उनके सिर को घुटनों पर ला दिया है। दिग्गजों को भी एक ही दिन में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। हम यहां से कैसे आगे बढ़ें? इस सवाल और विचार ने उसका सिर घुमा दिया है। क्या डीपसीक एक चमत्कार नहीं है? यह बात लगातार उनके दिमाग में आ रही है। केवल डेढ़ साल में, एक युवा चीनी उद्यमी ने दीपसीक को जन्म देकर एक विश्व तूफान खड़ा कर दिया है, जिसे लियांग वेनफेंग कहा जाता है। डीपसेक ने एक ऐसा कारनामा किया है जिस पर दशकों से शोध किया गया है, अरबों निवेश, सैकड़ों शोधकर्ता और कुशल श्रमिक चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। डीपसिक अमेरिकियों ने जल्दी से अपने मोबाइल फोन पर कब्जा कर लिया है और एक विश्व रिकॉर्ड बनाया है। स्वाभाविक रूप से, Google, Open AI और Meta के शेयर गिर गए। कुछ ही घंटों में इन कंपनियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। जैसे ही यह खबर दुनिया भर में फैलती है, भारत सहित अन्य देश भी डाउनलोड हो रहे हैं। डीपसिक की आंधी यहीं नहीं रुकेगी, बल्कि आने वाले दिनों में इसकी मार ऊपर बताई गई तीन कंपनियों समेत अन्य उद्योगों पर भी पड़ेगी। यह चैटबॉट्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ दुनिया भर में मनमाने ढंग से पैसा बनाने का विचार है, क्योंकि यह मुफ्त में उपलब्ध है, और आने वाले दिनों में, यह मामूली हो सकता है, या यह एक बार की आदत हो सकती है और फिर धीरे-धीरे पैसा कमा सकती है। चीन संयुक्त राज्य अमेरिका का एकमात्र वास्तविक प्रतियोगी है, इसलिए यह अत्यधिक संभावना है कि ट्रम्प उसे सबक सिखाने के लिए और संयुक्त राज्य अमेरिका के हित में बहुत कठिन निर्णय लेंगे; हालांकि, इससे पहले कि ट्रम्प कोई निर्णय ले पाते, डीप्रेसिक ने अमेरिकी कंपनियों पर एक अप्रत्याशित हमला किया है, विशेषज्ञों का कहना है, एक बहुत ही चतुर चाल। डीपसेक चीनी प्रतिष्ठान द्वारा समर्थित है और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र पर हावी होने के उद्देश्य से एक पूर्व नियोजित चाल के रूप में जांच की जा रही है। यह है। इस तकनीक में कई क्षेत्रों में क्रांति लाने की क्षमता है। आपको यह बताने के लिए किसी ज्योतिषी या विशेषज्ञ की आवश्यकता नहीं है कि यदि आप इस पर हावी हैं, तो पूरी दुनिया नियंत्रण में है। डीपसिक ने अमेरिका के लिए व्यापार युद्ध के बजाय इस प्रकार की तकनीक का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त किया है। ट्रम्प ने भी डीआईपीसिक पर गंभीरता से ध्यान दिया है। अमेरिकी कंपनियों के नुकसान पर भी उन्हें पसीना बहाना पड़ा होगा। क्योंकि वे खुद उद्यमी हैं! चीन ने इसे कैसे हासिल किया? यह जानने के लिए आज तक के इतिहास पर नजर डालनी होगी। चीन के बाहर जो भी आधुनिक तकनीक या उत्पाद विकसित हुआ है और जिसका पेटेंट कराया गया है, उसका उत्पादन चीन में कम समय में किया जा रहा है, क्योंकि चीनी सरकार ने शोध के साथ नकल करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित किया है। प्रौद्योगिकी का विकास, बिक्री और प्रसार किया गया है। निकट या भविष्य में दुनिया में क्या उपयोग होने वाला है? सबसे अधिक मांग के बाद क्या होगा? चीन ऐसे सभी उत्पादों और तकनीकों के मामले में बहुत आक्रामक है। डीपसेक के अवसर पर, दुनिया भर में अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) क्षेत्र पर एक नजर डालना आवश्यक है। बुनियादी अनुसंधान पर संयुक्त राज्य अमेरिका का खर्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.8% है। दक्षिण कोरिया का व्यय 4.2% और चीन का 2.8 % है। इसकी तुलना में, पिछले 1.25 दशकों में अनुसंधान पर भारत का खर्च तेजी से घट रहा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 2020 में यह गिरकर 0.64 प्रतिशत हो गया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए वैश्विक बाजार अगले पांच वर्षों में 825 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। दूसरे शब्दों में, यह एक संख्या है कि जो कोई भी इस क्षेत्र पर हावी है वह दुनिया पर शासन कर सकता है। चीन संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, ताइवान के अर्धचालक और चिप उद्योगों का समर्थन करने की तैयारी कर रहा है। चीन ने विश्व अर्थव्यवस्था की नब्ज को पहचान लिया है। यह उनका स्मार्ट और दूरदर्शी है। यह उनका स्मार्ट और दूरदर्शी है। यह शक्तिशाली संयुक्त राज्य अमेरिका और उद्योग, रक्षा, प्रौद्योगिकी के लिए ऋणदाता है, यह ड्रेगन के लिए एक आकर्षण है जो व्यापार और सेवाओं के सभी क्षेत्रों में उन्नत हैं, और हमें सही सबक सीखना चाहिए। जब अमेरिका, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश अनुसंधान पर भारी खर्च कर रहे हैं, तो भारत के लिए इसे बर्बाद करना कितना उचित है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित नई तकनीकों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध की आवश्यकता है, क्योंकि यहां से आगे की अवधि उनकी है। फिर भी, भारत में निराशाजनक माहौल एक विकसित भारत की प्रगति में बाधा बन रहा है। सत्ता पक्ष की तो बात ही छोड़िए, विपक्ष इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात नहीं कर रहा है। आपको विज्ञान आधारित मार्ग के बारे में सोचना होगा। इस वर्ष के बजट में अनुसंधान के लिए उचित प्रावधान करने की आवश्यकता है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

योगी जांच कराइए, अलग करो पय-नीर
फैलाया अफवाह जो, बदलो अब तकदीर
बदलो अब तकदीर, घुसे जो विषधर अंडे
चाहे म्लेच्छ वंश हों, या कि सपाई गुंडे
कह सुरेश कविराय मिलें जब मन के रोगी
अपनी इस्टाइल में सजा दीजिए योगी

अमेरिका की बेरुखी से बीमार होता डब्ल्यूएचओ

यू.एस. विश्व स्वास्थ्य संगठन के बजट का सबसे बड़ा दाता था, लेकिन अब उसके संगठन से हटने से कई वैश्विक स्वास्थ्य पहलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा, जैसे कि तपेदिक, एचआईवी/एड्स और कुछ संक्रामक रोगों के उन्मूलन के प्रयास। विश्व स्वास्थ्य संगठन रोग के प्रकोप को रोकने और पता लगाने, मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियों का निर्माण करने और यह गारंटी देने के लिए भी काम करता है कि दुनिया में हर किसी के पास जीवन रक्षक दवाओं तक उचित पहुंच हो।

यूएस विश्व स्वास्थ्य संगठन की वित्तीय स्थिति वापसी के कारण तनावपूर्ण है। यू.एस. विश्व स्वास्थ्य संगठन के बजट का सबसे बड़ा दाता था जो 2023 में स्वैच्छिक योगदान का 13% और मूल्यांकन किए गए योगदान का 22.5% था। फंडिंग के अचानक बंद होने से एक बड़ा संसाधन अंतराल पैदा हुआ जिससे महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य पहलों को ख़तरा हुआ, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों (कम और मध्यम आय वाले देशों) में। यू.एस. ने रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) जैसे संगठनों के माध्यम से विश्व स्वास्थ्य संगठन समितियों को वैज्ञानिक ज्ञान का योगदान दिया, जिसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वापसी ने वैश्विक निगरानी और महामारी की तैयारी के लिए आवश्यक साझेदारियों को तोड़ दिया। महामारी की तैयारी, निष्पक्ष टीका वितरण और प्रतिक्रिया समन्वय के लिए एक एकल विश्वव्यापी ढांचा बनाने के अमेरिका के प्रयासों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के नेतृत्व वाली महामारी संधि वार्ता से बाहर निकलने के फैसले से बाधा पहुँची क्योंकि वापसी ने राष्ट्रीय हितों को अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता से आगे रखा, इसने बहुपक्षवाद को कमजोर किया। अन्य देश भी ऐसा ही कर सकते हैं, जिससे विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे वैश्विक संगठनों में विश्वास कम हो सकता है। वैश्विक स्वास्थ्य शासन का पहला प्रभाव शक्ति संतुलन में बदलाव है। अमेरिका के बाहर निकलने से चीन और वैश्विक दक्षिण को अंतर को भरने का मौका मिला। जैसे-जैसे चीन ने अपने संसाधनों और प्रभाव का विस्तार किया, भारत जैसे देश निम्न और मध्यम आय वाले देशों के बारे में अधिक मुखर हो गए और निष्पक्ष स्वास्थ्य नीतियों को बढ़ावा दिया। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कमजोर आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीकाकरण कार्यक्रमों और रोग

उन्मूलन पहलों का समर्थन करने की कम क्षमता से असमान रूप से प्रभावित हुई थी। यू.एस.-विश्व स्वास्थ्य संगठन साझेदारी की समाप्ति ने महत्त्वपूर्ण अनुसंधान और नवाचारों के प्रसार में देरी की और अंतरराष्ट्रीय महामारी निगरानी नेटवर्क में हस्तक्षेप किया। भारत और अन्य वैश्विक दक्षिण देशों के लिए वैश्विक स्वास्थ्य शासन के पुनर्गठन पर अधिक प्रभाव डालने का एक मौका है। वैक्सीन कूटनीति और समग्र स्वास्थ्य पहलों में अपने नेतृत्व के कारण भारत एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थित है हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा छोड़ी गई नेतृत्व की भूमिका को संभालने की उनकी क्षमता संसाधनों की कमी और परस्पर विरोधी प्राथमिकताओं, जैसे क्षेत्रीय संघर्षों से बाधित है। जब तक सरकार अनुमति देती है, विश्व स्वास्थ्य संगठन राष्ट्रीय स्वास्थ्य पहलों में भाग लेता है। इसके अतिरिक्त, यह भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कई स्वास्थ्य पहलों के साथ सहयोग करता है और उनका समर्थन करता है, जिनमें एचआईवी, मलेरिया, तपेदिक, उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (एनटीडी), रोगाणुरोधी प्रतिरोध और बहुत कुछ शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत के टीकाकरण कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण है; विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीमें वैक्सीन कवरेज पर भी नज़र रखती हैं। यदि अमेरिकी फंडिंग बंद हो जाती है, तो विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत सहित इन पहलों को पूरा करने में असमर्थ होगा। अमेरिका अब अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाएगा। आज, संयुक्त राज्य अमेरिका सार्वजनिक स्वास्थ्य कूटनीति का उपयोग यह प्रभावित करने के लिए करता है कि बाकी दुनिया लोगों के स्वास्थ्य के प्रति कैसे प्रतिक्रिया करती है और उसे कैसे सुरक्षित रखती है। अल्बानिया, बुल्गारिया, बेलारूस, चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, रोमानिया और यूक्रेन के साथ-साथ सोवियत संघ सहित कई पूर्वी यूरोपीय देशों ने 1949 में विश्व स्वास्थ्य संगठन से हटने का इरादा घोषित किया। इन देशों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रयासों और उन पर अमेरिका के प्रभाव के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की। यू.एस. वैश्विक स्वास्थ्य के शासन में एक महत्त्वपूर्ण क्षण ट्रम्प के विश्व स्वास्थ्य संगठन से हटने से चिह्नित किया गया था वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सुरक्षा और लचीलेपन की गारंटी देने के लिए, भारत और ग्लोबल साउथ के अन्य सदस्यों जैसे देशों को इन मुद्दों को हल करने और एक निष्पक्ष और सहयोगी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए पहल करनी चाहिए। अमेरिका को वापस लाना। वैश्विक स्वास्थ्य के शासन में स्थिरता और विश्वास बहाल करना अभी भी भागीदारी पर निर्भर करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए विदाई देना क्यों महत्वपूर्ण है? सबसे पहले, ट्रम्प सही हैं: संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व स्वास्थ्य संगठन (विश्व स्वास्थ्य संगठन) का सबसे बड़ा वित्तीय समर्थक है, जो इसके कुल वित्त पोषण का लगभग 18% प्रदान करता है। इन फंडों को वापस लेने से कई वैश्विक स्वास्थ्य पहलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा, जैसे कि तपेदिक, एचआईवी/एड्स और कुछ संक्रामक रोगों के उन्मूलन के प्रयास। विश्व स्वास्थ्य संगठन रोग के प्रकोप को रोकने और पता लगाने, मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियों का निर्माण करने और यह गारंटी देने के लिए भी काम करता है कि दुनिया में हर किसी के पास जीवन रक्षक दवाओं तक उचित पहुंच हो। ट्रम्प की झुंझलाहट से यह स्पष्ट है कि सख्त आसन और भौतिक सीमाएं रोगाणुओं को किसी के क्षेत्र से बाहर नहीं रख सकती हैं और वैश्विक स्वास्थ्य प्रयास शून्य में काम नहीं करते हैं। कोविड-19 महामारी ने हमें सिखाया कि जब तक सभी सुरक्षित नहीं हैं, तब तक कोई भी सुरक्षित नहीं है इस उम्मीद में कि वह अपना मन बदल लेगा और फिर से उनके साथ जुड़ जाएगा, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अमेरिका से संपर्क किया है। यह सुनने में भले ही कितना भी अद्भुत लगे, लेकिन वैज्ञानिक चमत्कारों ने चिकित्सा क्षेत्र को भी प्रभावित किया है, और चिकित्सा समुदाय को उम्मीद है कि एक और चमत्कार संयुक्त राज्य अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ फिर से जोड़ देगा।

-प्रियंका सौरभ

घातक है पानी में जहर की राजनीति

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आरोपजीवी राजनेता हैं। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब वे स्वयं अथवा उनकी पार्टी के बड़े नेता प्रेस कांफ्रेंस न करते हों। उनके पास दूसरों पर आरोपों की एक लंबी सूची है। सर्वविदित है कि राजनीति में अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी की पहचान फ्री संस्कृति को बढ़ावा देने वाले, कभी एलजी पर तो कभी केंद्र सरकार पर आरोप लगाने वाले, ख्याली पुलाव बनाने वाले, बड़े-बड़े सपने दिखाने वाले के रूप में रही है। यह भी सर्वविदित है कि समाजसेवी अन्ना हजारे के संघर्ष का लाभ उठाते हुए आम आदमी पार्टी अस्तित्व में आई। भ्रष्टाचार खत्म करेंगे,साफ सुथरी राजनीति करेंगे, दिल्ली को स्वीटजरलैंड बनाएंगे, दिल्ली की शिक्षा का मॉडल अच्छा बनाएगे, कूड़े के पहाड़ को खत्म कर देंगे, पूरी दिल्ली को फ्री वाई-फाई देंगे, हर घर में 24 घंटे पानी, यमुना की सफाई और विश्व स्तरीय सड़कें आदि नारों के सहारे वे दिल्ली की राजनीति में जम गए लेकिन राजनीति का अनुभव न होने से और विकास की समुचित दिशा व दृष्टि न होने से दिल्ली में मुफ्त और केवल मुफ्त की संस्कृति से अनेक प्रकार की समस्याएं खड़ी होती चली गई। जनकल्याण के अनेक आवश्यक काम ऐसे ही पड़े रहे। जब कभी उनकी चर्चा भी हुई तो स्वयं अरविंद केजरीवाल दिल्ली के एलजी पर अथवा केंद्र सरकार पर पैसा न देने का आरोप लगाकर पल्ला झाड़ते रहे हैं। हाल ही में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में जल संकट की स्थिति पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार जान बूझ कर दिल्ली में जहरीला पानी भेज रही है। उन्होंने इसे नरसंहार की साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता भाजपा को वोट नहीं दे रही है इसलिए हरियाणा की भाजपा सरकार उन्हें जहर मिला पानी पिलाकर मारना चाहती है। हरियाणा की भाजपा की सरकार ने दिल्ली वालों की पानी की आपूर्ति को बाधित करने के लिए हरियाणा से अपनी फैक्ट्रियों का सारा प्रदूषण

डीडी 8 से यमुना नदी में छोड़ना शुरू कर दिया है। इससे दिल्ली के 30 प्रतिशत लोगों को पीने का पानी नहीं मिलेगा। इस आरोप के जवाब में दिल्ली जल बोर्ड की सीईओ शिल्पा शिंदे ने आप नेताओं के आरोपों को भ्रामक बताया है। साथ ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज एक बार फिर साबित किया कि घटिया और झूठ की राजनीति करने के मामले में उनका कोई सानी नहीं है। उन्होंने हरियाणा पर जो बेबुनियाद, शर्मनाक, मनगढ़ंत और झूठे आरोप लगाए हैं, उनको लेकर हम चुनाव आयोग को शिकायत करेंगे और मानहानि का मामला दर्ज करेंगे। आरोप- प्रत्यारोपों का सिलसिला जारी है। चुनाव आयोग ने भी अरविंद केजरीवाल से यमुना के पानी में जहर घोलने का आरोप प्रमाणित करने को कहा है। ध्यातव्य है कि यमुना लंबे समय से प्रदूषण की शिकार है। दिल्ली में वह दम तोड़ रही है। दिल्ली में यमुना के बहाव क्षेत्र में जैव संपदा पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। कई बड़े नालों के अतिरिक्त यमुना के बहाव क्षेत्र में छोटे-बड़े कई दर्जन नाले प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सीधे गिर रहे हैं। सीवेज ट्रीटमेंट के नाम पर आईटीओ, ओखला और कौंडली आदि में जो संयंत्र लगे हैं वह आधे अधूरे हैं। दिल्ली की अनेक औद्योगिक इकाइयों का कचरा सीधे यमुना में जा रहा है। यमुना एक्शन प्लान के अंतर्गत यमुना की प्रदूषण मुक्ति हेतु जो योजनाएं बननी चाहिए थी, वे नहीं बन पाई हैं। यमुना जल में ऑक्सीजन की कमी और अनेक प्रदूषकों के साथ-साथ अमोनिया की बढ़ोतरी पिछले लंबे समय से जारी है। यमुना से गाद निकालने का मामला और यमुना से जुड़े नालों की सफाई का मामला एवं सीवरेज शोधन संयंत्रों के लगाने का मामला भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। दिल्ली में लगभग 35 स्थानों पर सीवरेज शोधन संयंत्र लगने थे लेकिन भ्रष्टाचार के कारण वह प्रक्रिया न हो सकी। यह भी ध्यान रहे कि न तो यमुना में प्रदूषण का मामला नया है और न ही यमुना जल में अमोनिया की मात्रा बढ़ने का। चुनाव के समय यमुना की सफाई, कूड़े के पहाड़ों को खत्म करना जैसे अनेक चुनावी वादे जोर पकड़ते हैं और फिर धरातल पर कुछ काम नहीं होता है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन सहित कई बड़े नेता घोटालों के आरोप में लंबी सजा जेल काटने के बाद जमानत पर बाहर हैं। क्या दिल्ली की बदहाली के लिए ये सीधे जिम्मेदार नहीं है? ये दिल्ली की कितनी भलाई कर रहे हैं और आगे कितनी करेंगे, यह भी विचारणीय है लेकिन यमुना के पानी में जहर मिलाकर नरसंहार का आरोप अरविंद केजरीवाल की बौखलाहट, इस बार चुनाव में हार के भय और मानसिक दिवालियापन को प्रमाणित करता है। चुनाव आयोग उनके इस आरोप पर गंभीर है। आयोग ने इस संबंध में केजरीवाल से पुनः पांच सवालों के जवाब देने को कहा है। यह भी चिंताजनक है कि विगत लंबे समय से जाति, संप्रदाय, क्षेत्रीयता, भाषा, संविधान, किसान, युवा ,महिलाएं ,बेरोजगारी आदि अनेक मुद्दों पर समूचा विपक्ष निहित स्वार्थों की पूर्ति हेतु समाज में जहर घोलने का प्रयास कर रहा है। भिन्न-भिन्न रूपों में भ्रम और भय फैलाकर आपसी सद्भाव भंग करने के प्रयास सामान्य होते जा रहे हैं। दिल्ली में अब केवल गर्मी में ही नहीं अपितु सर्दियों में भी जल संकट सामान्य होता जा रहा है। दिल्ली की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है। यहां जनसंख्या के अनुपात में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और मूलभूत सुविधाएं कम पड़ रही हैं और उन्हें समुचित रूप में व्यवस्थित करने के कोई प्रयास भी फिलहाल तो नजर नहीं आ रहे हैं। पानी के माध्यम से लोगों के मन- मस्तिष्क में जहर घोलने की राजनीति घातक है।

- डॉ.वेदप्रकाश

खत्म होती सामाजिक नैतिकता

एकल परिवारों के बढ़ते प्रभाव ने, जिसमें माता-पिता और बच्चों के छोटे परिवार शामिल हैं, अपने स्वयं के परिवार के समूह को काफ़ी प्रेरित किया है, विशेष रूप से मूल्यों को विकसित करने में इसके पारंपरिक कार्य को। शहरीकरण, वित्तीय दबावों और व्यक्तिवादी जीवन शैली के माध्यम से प्रेरित इस बदलाव ने मूल्यों को हस्तांतरित करने के तरीके को बदल दिया है जबकि एकल परिवार स्वतंत्रता और निजी विकास की अनुमति देते हैं, इसके अलावा उन्हें सांस्कृतिक, नैतिक और नैतिक मूल्यों को प्रसारित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो पहले विस्तारित स्वयं के परिवार के ढांचे के माध्यम से मज़बूत होते थे। मूल्यों को विकसित करने के लिए एक संस्था के रूप में परिवार पर प्रभाव मूल्य संचरण में विस्तारित परिवार की भूमिका कम हो गई है। पारंपरिक संयुक्त परिवारों में, दादा-दादी, चाचा और चाची ने कहानी सुनाने, सलाह देने और बड़ों के लिए पहचान और नेटवर्क भावना जैसे सामूहिक मूल्यों को लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। एकल परिवारों के साथ, यह अंतर-पीढ़ीगत सम्बंध कमजोर हो गया है, जिससे बच्चों के विभिन्न दृष्टिकोणों के संपर्क में आने पर रोक लग गई है। कन्फ्यूशियस ने सद्गुण की पहली क्षमता के रूप में अपने परिवार के सदस्यों पर ज़ोर दिया। बहु-पीढ़ीगत जीवन की गिरावट भी इस नैतिक शिक्षा को कमजोर कर सकती है। एकल परिवारों में, माता-पिता मूल्यों की आपूर्ति का पूरा बोझ उठाते हैं, नियमित रूप से पेशेवर प्रतिबद्धताओं के साथ इसे जोड़ते हैं। इससे समय की कमी या तनाव के कारण कमी आ सकती है। शहरी एकल परिवार सहानुभूति या धैर्य की कोचिंग पर शैक्षिक पूर्ति को प्राथमिकता दे सकते हैं जिससे बच्चों में व्यक्तिवादी दृष्टिकोण पैदा होता है। एकल परिवार स्वायत्तता, निर्णय लेने और व्यक्तिगत जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं जो वर्तमान सामाजिक मांगों के साथ संरेखित होते हैं। जॉन स्टुअर्ट मिल ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को व्यक्तिगत और सामाजिक प्रगति के लिए आवश्यक गुणों के रूप में महत्त्व दिया, जिसे एकल परिवार प्रभावी रूप से बेचते हैं। एकल परिवार अक्सर अपने परिवार की ज़रूरतों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे निस्संदेह सामूहिक मूल्यों जैसे कि साझा करना, त्याग करना और आपसी सहायता के प्रति जागरूकता कम हो जाती है, जो संयुक्त परिवार व्यवस्था के लिए आवश्यक थे। त्यौहार, जो कभी संयुक्त परिवारों में नेटवर्क और सांस्कृतिक बंधन को मज़बूत करते थे, अब एकांत में मनाए जाने लगे हैं जबकि पारंपरिक व्यवस्थाएँ कमजोर होती जा रही हैं, एकल परिवार शिक्षा के लिए स्कूलों, साथियों के समूहों और आभासी प्रणालियों पर अधिक से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। हालाँकि, निजी सलाह की कमी से नैतिक विकास में भी कमी आ सकती है। एकल परिवारों में, एक से अधिक पदों के मॉडल की अनुपस्थिति बच्चों की कई गुणों को देखने और उनका अध्ययन करने की क्षमता को भी सीमित कर सकती है। एकल परिवारों के बढ़ते ज़ोर ने मूल्यों को विकसित करने में परिवार की स्थिति को नया रूप दिया है।

- प्रियंका सौरभ

आज का कार्टून

साभार

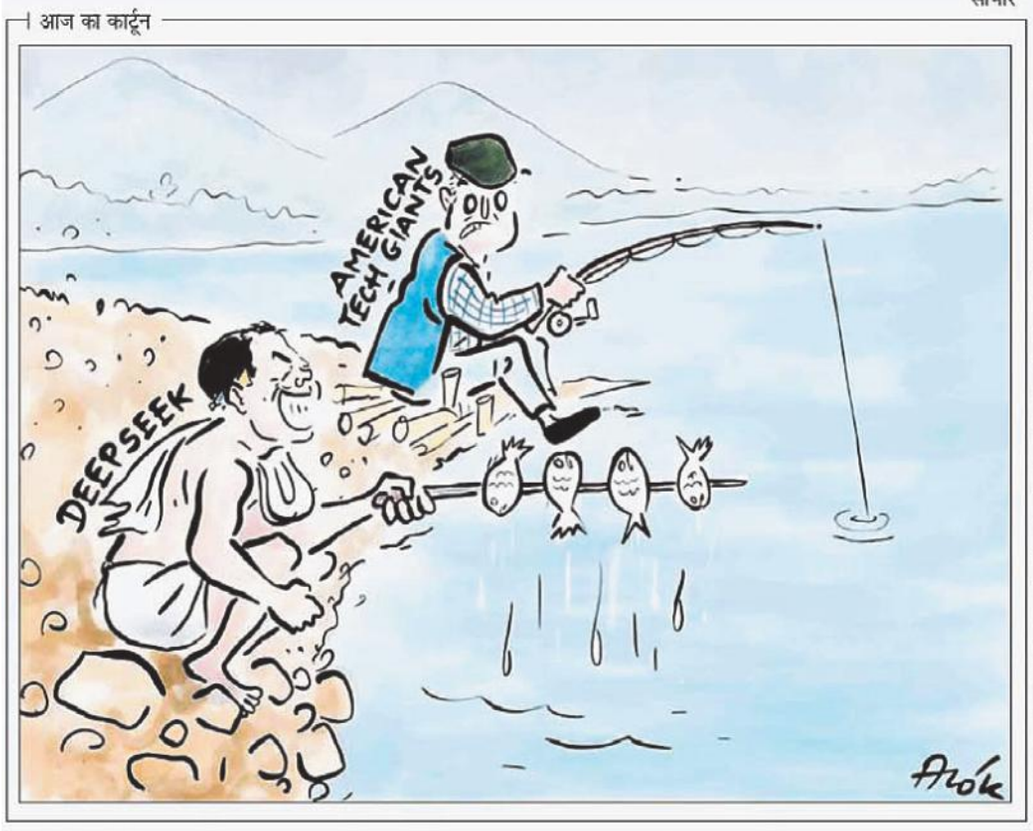

पंजाब : ग्राम पंचायत का फैसला और मृत्युभोज

पंजाब के बठिंडा जिले की एक ग्राम पंचायत ने किसी की मृत्यु के उपरांत अंतिम अरदास के मौके पर आयोजित किए जाने वाले भोग कार्यक्रम में जलेबी-पकौड़े जैसे पकवान बनाने पर रोक लगाने का निर्णय किया है। रामपुरा फूल के निकट ढिक्ख गांव की पंचायत ने हाल में यह कदम फिजूलखर्ची को रोकने और शोक रस्मों में सादगी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया है। पंचायत ने आदेश दिया है कि इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर 21,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। जुर्माने की रकम गांव के बुनियादी ढांचे की मरम्मत और जरूरतमंद परिवारों की सहायता में खर्च की जाएगी। इस पंचायत का यह फैसला न केवल प्रशंसनीय है बल्कि यह सामाजिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी कही जा सकती है। यह निर्णय समाज में व्याप्त उस परंपरा पर सवाल उठाता है, जो मृत व्यक्ति की आत्मिक शांति के नाम पर मृत्युभोज पर भारी-भरकम खर्च करा कर परिवार को आर्थिक और मानसिक रूप से तोड़ देती है। इस पंचायत ने भी इस बात पर जोर दिया कि शोक रस्मों में दिखावे और फिजूलखर्ची से परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। मृत्युभोज एक प्रथा है जो भारत के विभिन्न हिस्सों में प्राचीन समय से चली आ रही है। इसमें शोक संतप्त परिवार को मृत्यु के बारहवें, तेरहवें दिन या अन्य अवसरों पर सैकड़ों और कभी-कभी तो हजारों लोगों को भोज देने के लिए मजबूर किया जाता है। इस प्रक्रिया में लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। कई बार गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार इस परंपरा को निभाने के लिए कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं। पंजाब में किसी समय मृतक की अंतिम अरदास के समय रिश्तेदारों, निकट संबंधियों के लिए सादे भोजन का प्रबंध किया जाता था लेकिन हाल के सालों में इसने भव्य रूप ले लिया है। अंतिम अरदास के समय स्टॉलों पर विभिन्न प्रकार के भोजन सजे देखकर यह तय कर पाना मुश्किल हो जाता है कि हम किसी की अंतिम अरदास में शामिल होने आए हैं या फिर किसी शादी की रौनक बढ़ाने? हमारे समाज में मृत्युभोज एक ऐसी सामाजिक बुराई है जिसका सबसे बड़ा नकारात्मक प्रभाव आर्थिक स्तर पर पड़ता है। एक ओर जहां मृतक का परिवार अपने प्रियजन को खोने के गम से जूझ रहा होता है, वहीं दूसरी ओर उन्हें समाज के दबाव में आकर भारी खर्च उठाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आजकल 'अपनी हैसियत का बखान' करने के लिए भी मृत्युभोज पर भारी-भरकम खर्च किया जाने लगा है। पंजाब में समय-समय पर रिश्तेदारी में अंतिम अरदास में शामिल होने के लिए जाना होता है तो गुरुद्वारों में लोगों को पंक्तिबद्ध होकर लंगर छकने के बजाय 'स्टैंडिग लंच' करते देख मन को गहन पीड़ा पहुंचती है। धनवान लोग अपनी अमीरी का बखान करने के लिए लाखों रुपये खर्च कर देते हैं लेकिन कई बार ऐसे लोगों को भी मृत्युभोज पर हैसियत से अधिक पैसा खर्च करना पड़ता है, जो इसके लिए समर्थ नहीं है। इस वजह से न केवल ऐसा परिवार को कर्ज के जाल में फंसता है, बल्कि उनकी भविष्य की योजनाएं भी इस कारण गड़बड़ा जाती हैं। अंतिम अरदास के लिए आयोजित भोग में भव्य खानपान पर लाखों का खर्च सामाजिक असमानता को भी बढ़ावा दे रहा है। अमीर परिवार इसे शान-शौकत के लिए खर्च करते हैं, जबकि गरीब परिवार इसे अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार निभाने का प्रयास करते हैं। नतीजतन, समाज में प्रतिस्पर्धा और दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस हालात में ढिक्ख गांव ग्राम पंचायत का यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सामाजिक सुधार की दिशा में एक मजबूत संदेश देता है। इस प्रकार के फैसले से गांव के उन परिवारों को राहत मिलेगी जो मृत्युभोज के भारी खर्च का बोझ नहीं उठा सकते। आज एक गांव ने इस तरह की सकारात्मक पहल की है। कल इससे अन्य गांव भी प्रेरणा लेंगे। ढिक्ख गांव ने इस रोक के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया है कि शोक संतप्त परिवारों पर अनावश्यक दबाव डालना न केवल गलत है, बल्कि इसका प्रतिकार भी किया जाना चाहिए। पंचायत के इस फैसले से न केवल गरीब परिवार फिजूलखर्ची के बोझ से बचेंगे बल्कि इससे संवेदनशीलता को बढ़ावा मिलेगा। यह फैसला मृतक के परिवारों को अपने प्रियजनों के साथ बिताए गए पलों को याद करने और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का अवसर देगा। पंचायत का यह निर्णय सराहनीय है लेकिन इस निर्णय की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे लागू करने में ग्राम पंचायत कितनी सख्ती और ईमानदारी दिखाती है। यह फैसला समाज सुधार की दिशा में अच्छा कदम है।

- अमरपाल सिंह वर्मा

बलगांव पंचायत क्षेत्र में बी.एस.एन.एल उपभोक्ताओं के लिये सिरदर्द बनी नेटवर्क समस्या।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव, ग्रामीण बोले-नही होती हमारी कोई पूछ परख।

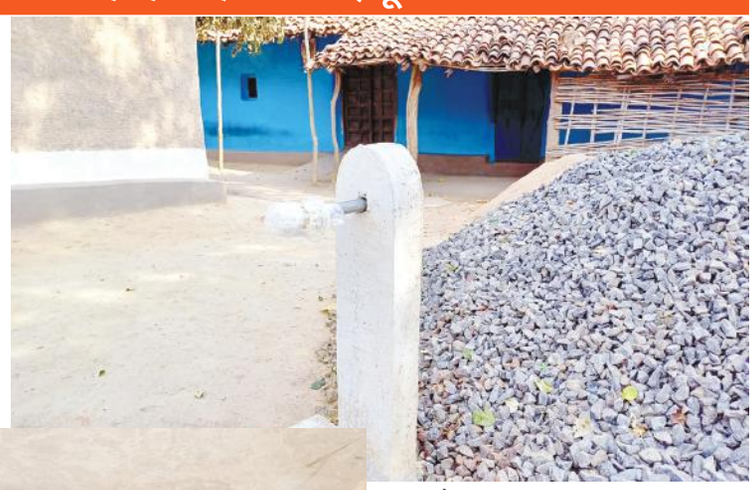

बालाघाट। तमाम वादो व घोषणाओं के बाद भी जिले के आदिवासी और वनांचल क्षेत्र में अभी भी अनेकों गांव ऐसे हैं जहा बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। जहां से हमे शिकायतें मिलती है, हम उन गांवो को दौरा करके वास्तुस्थिति को समझने पहुंच जाते है और हमे वादो व घोषणाओं की नींव खोखली नजर आती है। हमारी टीम बिरसा विकासखंड के आदिवासी बैगा बाहुल्य गांव बलगाव पहुंची थी। जहां कई तरह की बुनियादी सुविधाओं का अभाव देखने मिला। बीएसएनएल मोबाइल नेटवर्क की समस्या यहां के ग्रामीणो का सिरदर्द बन चुकी है। जबकि गांव के अधिकांश उपभोक्ता बी.एस.एन.एल प्रिपेड सेवा से जुडे है। बीएसएनएल का नेटवर्क ना होने से सरकारी कार्य भी प्रभावित हो रहे है। इसके अलावा यहां स्कूल भवन की स्थिति भी अब दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। एकीकृत प्राथमिक शाला परिसर में संचालित प्राथमिक शाला भवन जर्जर हो गया है और छत का पलस्तर उखड़ गया है। दिवारो में क्रेक आ गई और बारिश में पानी टपकता है। जिससे अध्यनरत बच्चों के साथ किसी अनहोनी का खतरा बना रहता है। बलगाव के बैगाटोला में आगनवाड़ी भवन नही है, मजबूरी में कीचन कक्ष में आंगनवाडी संचालित की जा रही है। इसी पंचायत का बासिन्खार गांव भी कई समस्याओं को समेटे हुए है। यहां आगनवाड़ी भवन जर्जर होने से नौनिहालों को बैठने की जगह भी समझ नही आती। बलगांव के भड़गांव में भी स्कूल भवन जर्जर हो चुका है और प्लास्टर उखडकर नीचे गिरता है। इसके अलावा गांव में नलजल योजना के अंतर्गत घर घर नल कनेक्शन तो जोड दिये गये है, लेकिन उनसे पानी की एक बूंद तक नही टकपी। जबकि गांव में पानी की समस्या बढने लगी है। ग्रामीणो के अपने-अपने घरो के सामने लगाये गये नलो को सीलपैक कर दिया है। ग्रामीणो ने कहा कि पानी तो आता नही, यह हमारे कोई काम का नही है। इसलिये पॉलीथीन ने उसकी टोटी को सीलपैक कर दिये है। इसके अलावा ग्रामीणो को जलाऊ लकडी के लिये भी संघर्ष करते देखा गया। गांव के महिलायें जंगल क्षेत्र से लकडी लाते हुए नजर आई। इन तमाम समस्याओं को लेकर सरपंच श्रीमती इंदु चैनसिंह पंद्रे से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि जनपद पंचायत, ज़िला पंचायत, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर लिखित में समस्याओं से अवगत करवा दिया है, किंतु कोई हल नही निकाला जा रहा है और ना ही समस्याओं के निपटारे के लिये कोई पहल की जा रही है। उनके द्वारा उचित स्तरो तक शिकायते कर दी गई है। बहरहाल उन्हे उम्मीद की दरकार है कि गांव की समस्याओं की ओर कभी ना कभी जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित होगा और सभी समस्याओं के निराकरण के लिऐ कदम उठाये जाएंगे।

ब्राह्मण समाज ने आयोजित किया विवाह योग्य विधवा, विधुर एवं दिव्यांग जनों का परिचय सम्मेलन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जीवनसाथी की असमय मृत्यु होने से विधवा एवं विदुर का जीवन कष्टमय हो जाता है। अतंत ब्राह्मण महासभा के संयोजक एडवोकेट ओ पी मिश्रा ने बताया कि समाज में हमने एक अच्छी पहल करते हुए समाज के विवाह योग्य विधवा, विधुर एवं दिव्यांग जनों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया है। सम्मेलन में मध्य प्रदेश एवं आसपास के प्रदेशों से भी लोग आए। सभी ने हमारी इस पहल को सराहा।

अमन की चादर चढ़कर पेश की भाईचारे की मिसाल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रविवार को बसंत पंचमी हिंदुओं के द्वारा मनाई जा रही है, और इसी दिन अपने पीर को चादर चढ़ाने की परंपरा मुस्लिम समाज में भी है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए सरदार हकीम बाबा ने बताया कि दरगाह में हमने चादर चढ़ाई है। शहर और मुल्क की तरक्की के लिए दुआएं मांगी है। हमारा प्रयास शहर में भाईचारा का पैगाम देना है, जिसे हम निरंतर करते आ रहे हैं।

अमन की चादर चढ़कर मांगी मुल्क के लिए दुआ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रविवार को बसंत पंचमी हिंदुओं के द्वारा मनाई जा रही है, और इसी दिन अपने पीर बुनियाद अली शाह की दरगाह में चादर चढ़ाने की परंपरा मुस्लिम समाज में भी है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए हकीम बाबा जमाली ने बताया कि लगभग 800 वर्षों से दरगाह में चादर चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। दरगाह में हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी धर्म के लोग चादर चढ़ाने आते हैं और अपने साथ-साथ इस मुल्क के लिए भी अमन और शांति की दुआ मांगते हैं। दरगाह हमारी गंगा-जमुनी संस्कृति का प्रतीक है। यहां सभी मोहब्बत का चिराग जलाने आते हैं।

ग्राम जराहमोहगांव में सीएलएफ भवन एवं व्यायाम शाला का लोकार्पण।

हाईयर सेकेंडरी स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु विधायक पारधी ने किया भूमिपूजन

कटंगी। ग्राम जराहमोहगांव में बहुप्रतीक्षित सीएलएफ भवन एवं व्यायामशाला का लोकार्पण विधायक श्री गौरव पारधी के मुख्य आतिथ्य में किया गया, जिससे स्थानीय लोगों को सशक्तिकरण और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएँ प्राप्त होंगी। इसी अवसर पर प्रधानमंत्री स्कूल विकास योजना (पी.एम.श्री योजना) के अंतर्गत हाईयर सेकेंडरी स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु भूमिपूजन संपन्न हुआ। यह पहल शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। कार्यक्रम के दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी ने स्व-सहायता समूहों और आंगनवाड़ी की महिलाओं से मुलाकात कर स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता के विषय पर चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और स्व-रोजगार के अवसरों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण समाज की प्रगति का आधार है और इसके लिए उन्हें छोटे उद्यमों, कृषि आधारित उद्योगों और सरकारी सहायता योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। इसके साथ ही, विधायक पारधी ने युवाओं के उज्जवल भविष्य पर जोर देते हुए उन्हें खेल, स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गांवों में खेल और व्यायामशालाओं की सुविधा युवाओं को न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रखेगी, बल्कि उनके आत्मविश्वास और करियर निर्माण में भी मददगार साबित होगी। उन्होंने युवाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार और तकनीकी प्रशिक्षण की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। सीएलएफ भवन के निर्माण से स्व-सहायता समूहों को संगठित मंच मिलेगा, जिससे वे अपने आर्थिक एवं सामाजिक विकास को गति दे सकेंगे। इस भवन के माध्यम से महिला समूहों को प्रशिक्षण, बैठकों एवं उद्यमिता विकास के लिए सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। वहीं, व्यायामशाला के निर्माण से ग्रामीण युवाओं को शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखने की सुविधा प्राप्त होगी, जिससे खेल और फिटनेस को बढ़ावा मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र में भी यह दिन महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि पी.एम.श्री योजना के तहत हाईयर सेकेंडरी स्कूल में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण से विद्यार्थियों को अधिक सुविधाजनक और सुव्यवस्थित शैक्षिक वातावरण प्राप्त होगा। इससे स्कूल में नामांकन बढ़ने के साथ ही शिक्षण की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। ग्रामवासियों ने इन विकास कार्यों के लिए प्रसन्नता व्यक्त की और उम्मीद जताई कि इससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

जन अभियान परिषद परामर्शदाताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

समापन पर प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित

बालाघाट। मप्र जनअभियान परिषद बालाघाट के परामर्शदाताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन रेंजर कॉलेज में रविवार को सम्पन्न हुआ। जिसमे मुख्य वक्ता जवाहर लाल नेहरू कृषि विविद्यालय के पूर्व कुलपति पीके बिसेन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बालाघाट की भूमि वह धरा हैं जंहा सफेद सोना चावल तो पीला सोना तांबा के लिए प्रसिद्ध हैं। हमें गर्व होता हैं बताने में की हमारा जिला दहेजमुक्त जिला भी हैं जहाँ लोग बेटी से रिस्ता करते हैं, दहेज से नहीं। बिसेन ने कहा कि वे यह बताने में गर्व करते है कि मप्र में बालाघाट जिले में मातृ शक्ति पुरुषों से अधिक हैं 1000 पुरुष तो 1021 महिलाएं केवल बालाघाट में हैं। कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्वमंत्री कांवरे ने बताया कि जनअभियान परिषद सीएमसीएलडीपी के माध्यम से गाँव गाँव पहुंच रहा है। इनके छात्र केवल शिक्षा दीक्षा नहीं देते बल्कि गाँव के पालक अथवा नेतृत्वकर्ता के रूप में कार्य कर रहें हैं, जो हर कोई नहीं कर पाता। समाज को दिया हुआ समय और की गई समाजसेवा का फल ईश्वर सदैव अच्छा ही देता है। वहीं संजीव कुमार लीड बैंक मैनेजर ने युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने बैंको से कैसे लाभ प्राप्त करें विस्तार से जानकारी दी। समापन में परामर्शदाताओं, बीसी को प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम का संचालन अजय ठाकुर, सुरेंद्र भगत द्वारा किया गया।

विश्व वेटलैंड दिवस पर किया गया पौधारोपण

एनसीसी कैडेट्स ने वैनगंगा नदी तट को हरा भरा बनाने का लिया संकल्प

बालाघाट। ग्रुप मुख्यालय जबलपुर के निर्देशन एवं 6 मप्र बटालियन एनसीसी बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के मार्गदर्शन में 2 फरवरी (विश्व वेटलैंड दिवस) के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। जिसमे शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पीआर चंदेलकर के संरक्षण एवं एनसीसी सीटीओ डॉ. गजानन कटरे के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने वैनगंगा नदी के जागपुर घाट पर पौधारोपण अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान कैडेट्स ने विभिन्न प्रजातियों के कुल 30 पौधे रोपे, जिससे इस क्षेत्र की हरियाली और जैव विविधता को संवारने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नदी तटों के संरक्षण, जल स्त्रोतों की सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना था।पौधारोपण के दौरान कैडेट्स ने "हरित पर्यावरण, स्वच्छ जल" जैसे नारों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस पहल से न केवल जागपुर घाट का सौंदर्यीकरण होगा, बल्कि यह पक्षियों और अन्य जीवों के लिए भी अनुकूल पयार्वास प्रदान करेगा ।इस अवसर पर सीटीओ डॉ. गजानन कटरे ने कहा, "प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। वेटलैंड्स पर्यावरण के फेफड़े हैं, और इन्हें संरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। एनसीसी कैडेट्स का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायी रहेगा।"यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ और कैडेट्स ने भविष्य में भी इसी तरह के अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने का संकल्प लिया।

गौ तश्करों के विरूद्ध किरनापुर पुलिस की कार्यवाही।

आरोपियों से 26 नग गौ-वंश बैल जब्त।

बालाघाट। पुलिस द्वारा गौ-वंश एवं अन्य पशुओं की क्रूरतापूर्वक तश्करी रोकने हेतु पशु तश्करों के विरूद्ध लगातार कार्यवाहियां की जा रही है । पुलिस अधीक्षक नगेन्द्र सिंह व्दारा गौ-वंश तश्करी के मामलों को गंभीरता से लेकर गौ-वंश की तश्करी करने वाले आरोपीगण के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। जहां थाना किरनापुर पुलिस ने 26 नग गौ-वंश (बैल) जप्त कर गौ-तश्करों के विरूद्ध कार्यवाही की है। दिनांक 02.02.2025 को ग्राम भालवा से महाराष्ट्र की ओर गौवंश तस्करी की मुखबिर सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी उप निरीक्षक छत्रपाल सिंह बैस व थाना किरनापुर पुलिस टीम व्दारा प्रभावी कार्यवाही करते हुये 26 नग गौ-वंश की तश्करी करने वाले 04 गौ-वंश तश्कर के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही की है। पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 42/2025 धारा- 4,6,9 म.प्र. गौ-वंश वध प्रतिषेध अधिनियम- 2004, 11 पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम-1960 तहत की गई इस कार्यवाही में मनीष ठाकरे उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम भालवा थाना किरनापुर, अभिराज पांचे उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम भालवा, अरूण कुमार बोरकर उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम भालवा, ईश्वरी पन्द्रे उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम खपराझरी थाना हट्टा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

अटल राइस मिल पर लगाया ताला, डायवर्सन राशि जमा नही करने पर एसडीएम ने की कार्यवाही

बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने गुरुवार को जिले समस्त राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक कर राजस्व वसूली की सख्त हिदायत दी गई थी। राजस्व वसूली के मामलें में वारासिवनी एसडीएम आरआर पांडे द्वारा डायवर्सन राशि जमा नही करने पर नगर की एक राइस मिल पर ताला लगाया गया है। तहसीलदार इमरान मंसूरी ने बताया कि कलेक्टर मीना द्वारा डायवर्सन वसूली सख्ती से करने के निदेशो पर नगर में एक कार्यवाही की गई है। विभाग द्वारा वारासिवनी तहसील में बड़े डायवर्सन बकायादारों की सूची तैयार की गई। शनिवार को शिकन्द्रा स्थित भूमि खसरा न 425/4/2 रकबा 0.16 हेक्टयर अटल राईस मिल पर वर्ष 2017 से डायवर्सन बकाया राशि 21576 रुपये जमा नही करने पर सील करने व कुर्की की कार्यवाही प्रारम्भ करने की कार्यवाही की गई। बकायदारों की कुर्की की कार्यवाही के लिए सूची तैयार कर सख्ती से वसूली की कार्यवाही की जा रही है।

5 फरवरी से 10 तारीख तक बंद रहेगा समग्र पोर्टल

बालाघाट। समग्र पोर्टल पर आवश्यक कार्य के कारण 05 फरवरी से 10 फरवरी तक बंद रहेगा। लोक सेवा प्रबंधक श्री अनिल लिल्हारे ने बताया है कि एमपीएसईडीसी द्वारा समग्र पोर्टल के अपडेशन का कार्य किया जा रहा है। जिसके कारण समग्र पोर्टल 5 से 10 फरवरी 2025 तक बंद रहेगा। इससे इस अवधि में समग्र पोर्टल से आय, जाति, मूल निवास, ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट्स नहीं बनाए जा सकेंगें। लोक सेवा अधिनियम के अंतर्गत लोक सेवा केंद्रों से मिलने वाली सेवाएं प्रभावित होगी। लोक सेवा केंद्रों से प्राप्त होने वाली ऐसी सेवाएं जिसमें समग्र आईडी की आवश्यकता होती है, वे सेवाएं प्रदान करना बाधित रहेगी। इसलिए जिन भी व्यक्तियों विद्यार्थियों को ऐसी सेवाओं की आवश्यकता है, वे 5 फरवरी से पूर्व आवेदन कर प्राप्त कर सकते है।

बसंत पंचमी हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है। माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसंत ऋतु का आरंभ होता है। बसंत का उत्सव प्रकृति का उत्सव है। सतत सुंदर लगने वाली प्रकृति बसंत ऋतु में सोलह कलाओं से खिल उठती है। बसंत को ऋतुओं का राजा कहा गया है क्योंकि इस समय पंच-तत्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। बसंत ऋतु आते ही आकाश एकदम स्वच्छ हो जाता है, अग्नि रुचिकर तो जल पीयूष के सामान सुखदाता और धरती उसका तो कहना ही क्या वह तो मानों साकार सौंदर्य का दर्शन कराने वाली प्रतीत होती है। ठंड से ठिठुरे विहंग अब उड़ने का बहाना ढूंढते है तो किसान लहलहाती जौ की बालियों और सरसों के फूलों को देखकर नहीं अघाता। इस ऋतु के आते ही हवा अपना रुख बदल देती है जो सुख की अनुभूति कराती है।

वसंत पंचमी

सरस्वती आराधना का पर्व

पीले रंगों का पर्व
वसंत पंचमी

वसंत पंचमी के पर्व पर वैसे भी चटख पीला रंग उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ सफेद रंग से जुड़ी शांति भी शामिल हो जाती है। इस दिन खास तौर पर कई घरों में रंगोली सजाई जाती है।

कुछ लोगों के यहां केसर वाले पीले रंग के मीठे चावल खास इसी दिन बनाए जाते है। कई परिवारों में आज भी वसंत पंचमी के दिन एक-दूसरे के घरों में मीठे चावल और केले भेट किए जाते हैं। कई परिवारों द्वारा मंदिरों में हलवा और मिठाई दान करने की परंपरा है। वसंत ऋतु के साथ होली के आगमन की दस्तक और सरस्वती पूजा का यह पर्व पुराने समय से ही युवाओं के लिए उत्साह वाला रहा है। ग्रामीण इलाकों में अपने खेतों में गेहूं, मटर, चना और दूसरी तरह की लहलहाती हरी-भरी फसलों को देखकर किसानों के मन प्रफुल्लित हो जाते हैं। खेतों में दूर-दूर तक धानी-सरसों के फूलों की पीली चादर बरबस मन को मोह लेती है। कोहरे और ओस से भीगी मिट्टी और रंगबिरंगे फूलों की मिली-जुली भीनी खुशबू अपनी ओर खींचती है।

ऐसे समय में हर किसी का मन बिना मचले नहीं रह सकता। ऐसा नजारा देखकर किसी भी कवि मन से श्रृंगार रस की एक से एक मनभावन कविताएं फूट पड़ना आम बात है। इस दिन हजारों युवा विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। पंचांग के अनुसार हिंदू धर्म में नवंबर के बाद शादियों पर प्रतिबंध लग जाता है। पर वसंत पंचमी के दिन से शादियां फिर से शुरू हो जाती है

श्रद्धा व उल्लास का पर्व

भारतीय धर्म में हर तीज-त्योहार के साथ दिलचस्प परंपराएं जुड़ी हुई है। इसीलिए प्रत्येक पर्व-त्योहार के मद्देनजर गांवों-शहरों का स्वरूप कुछ बदल-सा जाता है और सभी समुदाय के लोग तरह-तरह की परंपराएं निभाते हुए हर त्योहार का मनपूर्वक मनाते हैं।

यह तिथि देवी सरस्वती का प्राकट्य दिवस होने से इस दिन सरस्वती जयंती, श्रीपंचमी आदि पर्व भी होते हैं। वैसे सायन कुंभ में सूर्य आने पर वसंत शुरू होता है। इस दिन से वसंत राग, वसंत के प्यार भरे गीत, राग-रागिनियां गाने की शुरुआत होती है। इस दिन सात रागों में से पंचम स्वर (वसंत राग) में गायन, कामदेव, उनकी पत्नी रति और वसंत की पूजा की जाती है। खास तौर पर बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल के लोग भी इस पर्व को खासे उत्साह के साथ मनाते है। इस विशेष उत्साह के साथ सरस्वती पूजा की तैयारियां भी की जाती है। इस दिन सैकड़ों स्थानों पर सामूहिक आयोजन किया जाता है। माता सरस्वती की पूजा में मूर्तियों के साथ पलाश की लकड़ियों, पत्तों और फूलों आदि का उपयोग किया जाता है। विधि-विधान के साथ पूजन, पुष्पांजलि और आरती के साथ पूजा संपन्न होती है।

रातभर भक्ति संगीत के साथ अगले दिन सरस्वती की मूर्तियों को नदी में विसर्जन किया जाता है। इस पूरे दिन खुले आसमान में पतंगबाजी और एक-दूसरे के साथ चुहलबाजी करने में दिन व्यतीत हो जाता है। वासंती रंग की मिठाइयों के साथ दूसरी और भी कई तरह की खाने-पीने की चीजों की भरमार होती है।

बसंत और बसंत पंचमी का महत्व

बसंत ऋतुओं का राजा माना जाता है। यह पर्व बसंत ऋतु के आगमन का सूचक है। इस अवसर पर प्रकृति के सौंदर्य में अनुपम छटा का दर्शन होता है। वृक्षों के पुराने पत्ते झड़ जाते हैं और बसंत में उनमें नयी कोपलें आने लगती हैं, तथा खेती में भी सरसों की स्वर्णमयी कांति अपनी छटा बिखेरती है। मा घ महीने की शुक्ल पचमी को बसंत पंचमी होती है तथा इसी दिन से बसंत ऋतु आरंभ होती है। बसंत का उत्सव प्रकृति का उत्सव है। सतत सुंदर लगने वाली प्रकृति बसंत ऋतु में सोलह कलाओं से खिल उठती है। यौवन हमारे जीवन का बसंत है तो बसंत इस सृष्टि का यौवन है। महर्षि वाल्मीकि ने भी रामायण में बसंत का अति सुंदर व मनोहारी चित्रण प्रस्तुत किया है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में 'ऋतूना कुसुमाकर:' कहकर ऋतुराज बसंत को अपनी विभूति माना है। कविवर जयदेव तो बसंत का वर्णन करते थकते नहीं है। बसंत ऋतु कामोद्दीपक होता है। इसके प्रमुख देवता काम तथा रति है। अतएव काम देव तथा रति की प्रधानतया पूजा करनी चाहिये। हमारे तंत्र शास्त्रों में भी ऋतु का बहुत महत्व है। तंत्र शास्त्रों के अनुसार वशीकरण एवं आकर्षण से संबधित प्रयोग एवं हवन आदि यदि बसंत ऋतु में किये जाये तो वह बहुत ही प्रभावी, शुभ एवं फलदायी रहते है। हमारे शास्त्रों एवं पुराणों कथाओं के अनुसार बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा को लेकर एक बहुत ही रोचक कथा है, कथा कुछ इस प्रकार है। जब भगवान विष्णु की आज्ञा से प्रजापति ब्रह्माजी सृष्टि की रचना करके जब उस संसार में देखते हैं तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जन ही दिखाई देता था। उदासी से सारा वातावरण मूक सा हो गया था। जैसे किसी के वाणी न हो। यह देखकर ब्रह्माजी ने उदासी तथा मलीनता को दूर करने के लिए अपने कमंडल से जल लेकर छिड़का। उन जलकणों के पड़ते ही वृक्षों से एक शक्ति उत्पन्न हुई जो दोनों हाथों से वीणा बजा रही थी तथा दो हाथों में क्रमशः पुस्तक तथा माला धारण किये थीं। ब्रह्माजी ने उस देवी से वीणा बजाकर संसार की मूकता तथा उदासी दूर करने के लिए कहा। तब उस देवी ने वीणा के मधुर-नाद से सब जीवों को वाणी दान की, इसलिये उस देवी को सरस्वती कहा गया। यह देवी विद्या, बुद्धि को देने वाली है। इसलिये बसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा भी की जाती है। इस दिन विशेष रूप से लोगों को अपने घर में सरस्वती यंत्र स्थापित करना चाहिये, तथा मां सरस्वती के इस विशेष मंत्र का 108 बार जप करना चाहिये। मंत्र - 'ऊँ ऐं महासरस्वत्यै नमः'।

कैसे करें पूजन

माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी से ऋतुओं के राजा वसंत का आरंभ हो जाता है। यह दिन नवीन ऋतु के आगमन का सूचक है। इसीलिए इसे ऋतुराज वसंत के आगमन का प्रथम दिन माना जाता है। साथ ही यह मां सरस्वती की जयंती का दिन है। इस दिन से प्रकृति के सौंदर्य में निखार दिखने लगता है। वृक्षों के पुराने पत्ते झड़ जाते हैं और उनमें नए-नए गुलाबी रंग के पल्लव मन को मुग्ध करते हैं। इस दिन को बुद्धि, ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती की पूजा-आराधना के रूप में मनाया जाता है।

वसंत पंचमी का पूजन कैसे कर -

- वसंत पंचमी में प्रातः उठ कर बेसनयुक्त तेल का शरीर पर उबटन करके स्नान करना चाहिए। इसके बाद स्वच्छ पीतांबर या पीले वस्त्र धारण कर मां सरस्वती के पूजन की तैयारी करना चाहिए।
- माघ शुक्ल पूर्वविद्धा पंचमी को उत्तम वेदी पर वस्त्र बिछाकर अक्षत (चावल) से अष्टदल कमल बनाएं।
- उसके अग्रभाग में गणेशजी स्थापित करें।
- पृष्ठभाग में वसंत स्थापित करें। वसंत, जौ व गेहूं की बाली के पुंज को जल से भरे कलश में डंठल सहित रखकर बनाया जाता है।
- इसके पश्चात सर्वप्रथम गणेशजी का पूजन करें और फिर पृष्ठभाग में स्थापित वसंत पुंज के द्वारा रति और कामदेव का पूजन करें। इसके लिए पुंज पर अबीर आदि के पुष्पो माध्यम से छींटे लगाकर वसंत सदृश बनाएं।
- तत्पश्चात

शुभा रतिः प्रकर्तव्या वसन्तोज्ज्वलभूषणा ।
नृत्यमाना शुभा देवी समस्ताभरणैर्युता ॥
वीणावादनशीला च मदकर्पूरचर्चिता।
श्लोक से रति का और कामदेव व रति
कामदेवस्तु कर्तव्यो रूपेणाप्रतिमो भुवि।
अष्टबाहुः स कर्तव्यः शखपद्माविभूषणः॥
चापबाणकरश्चैव मदादश्चितलोचनः।
रतिः प्रतिस्तथा शक्तिर्मदशक्ति- स्तथोज्ज्वला॥
वतस्त्रस्तस्य कर्तव्याः पत्रयो रूपमनोहराः।
चत्वाश्च करास्तस्य कार्या भार्यास्तनोपगाः॥
केतुश्च मकरः कार्यः पंचबाणमुखो महान।

इस प्रकार से कामदेव का ध्यान करके विविध प्रकार के फल, पुष्प और पत्रादि समर्पण करें तो गृहस्थ जीवन सुखमय होकर प्रत्येक कार्य को करने के लिए उत्साह प्राप्त होता है।

- सामान्य हवन करने के बाद केशर या हल्दी मिश्रित हलवे की आहुतियां दें।
- वसंत-पंचमी के दिन किसान लोग नए अन्न में गुड़ तथा घी मिश्रित करके अग्नि तथा पितृ-तर्पण करें। साथ ही केशरयुक्त मीठे चावल अवश्य घर में बनाकर उनका सेवन करना चाहिए।
- इस दिन विष्णु-पूजन का भी महात्म्य है।
- वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती के पूजन का भी विधान है। कलश की स्थापना करके गणेश, सूर्य, विष्णु तथा महादेव की पूजा करने के बाद वीणावादिनी मां सरस्वती का पूजन करना चाहिए।

बसंत ऋतु का आगमन बसंत पंचमी पर्व से होता है। शांत, ठंडी, मंद वायु, कटु शीत का स्थान ले लेती है तथा सब को नवप्राण व उत्साह से स्पर्श करती है। पत्रपटल तथा पुष्प खिल उठते हैं। स्त्रियाँ पीले- वस्त्र पहन, बसंत पंचमी के इस दिन के सौन्दर्य को और भी अधिक बढ़ा देती है। लोकप्रिय खेल पतगबाजी, बसंत पंचमी से ही जुड़ा है। यह विद्यार्थियो का भी दिन है, इस दिन विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा आराधना भी की जाती है।

बसंत का अर्थ

बसंत ऋतु तथा पंचमी का अर्थ है- शुक्लपक्ष का पाँचवां दिन अंग्रेजी कलेंडर के अनुसार यह पर्व जनवरी-फरवरी तथा हिंदू तिथि के अनुसार माघ के महीने में मनाया जाता है।

बसंत को ऋतुओं का राजा अर्थात सर्वश्रेष्ठ ऋतु माना गया है। इस समय पंच-तत्त्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते है। पंच-तत्त्व- जल, वायु, धरती, आकाश और अग्नि सभी अपना मोहक रूप दिखाते है। आकाश स्वच्छ है, वायु सुहावनी है, अग्नि (सूर्य) रुचिकर है तो जल पीयूष के समान सुखदाता और धरती उसका तो कहना ही क्या वह तो मानो साकार सौंदर्य का दर्शन कराने वाली प्रतीत होती है। ठंड से ठिठुरे विहंग अब उड़ने का बहाना ढूंढते है तो किसान लहलहाती जौ की बालियो और सरसो के फूलो को देखकर नहीं अघाता। धनी जहाँ प्रकृति के नव-सौंदर्य को देखने की लालसा प्रकट करने लगते हैं तो निर्धन शिशिर की प्रताड़ना से मुक्त होने के सुख की अनुभूति करने लगते हैं। सच! प्रकृति तो मानो उन्मादी हो जाती है। हो भी क्यो ना! पुनर्जन्म जो हो जाता है। श्रावण की पनपी हरियाली शरद के बाद हेमन्त और शिशिर में वृद्धा के समान हो जाती है, तब बसंत सौन्दर्य लौटा देता है। नवगात, नवपल्व, नवकुसुम के साथ नवगंध का उपहार देकर विलक्षणा बना देता है।

प्रेरणादायी हैं मां सरस्वती का स्वरूप

वसंत पंचमी हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल की पांच तारीख को मनाई जाती है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द व शक्ति की प्राप्ति जीव को हुई थी। सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है।

पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं और उनके चार हाथ हैं जिनमें वीणा, पुस्तकमाला और अक्षरमाला है। उनका वाहन हंस है।

शुभवस्त्र मानव को प्रेरणा देते हैं कि अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाएं और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करें।

दो हाथों में वीणा ललित कला में प्रवीण होने की प्रेरणा देती है।

जिस प्रकार वीणा के सभी तारों में सामंजस्य होने से मधुर संगीत निकलता है वैसे ही मनुष्य अपने जीवन में मन व बुद्धि का सही तालमेल रखे।

सरस्वती का वाहन हंस विवेक का परिचायक है।

सरस्वती पूजन एवं ज्ञान का महापर्व

ब्राह्मण-ग्रंथों के अनुसार वाग्देवी सरस्वती ब्रह्मस्वरूपा, कामधेनु तथा समस्त देवों की प्रतिनिधि है। ये ही विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्वनी व अनत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसंत पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। अतः वागीश्वरी जयंती व श्रीपंचमी नाम से भी यह तिथि प्रसिद्ध है। माँ सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं। जिनकी जिह्वा पर सरस्वती देवी का वास होता है, वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं। बहुत लोग अपना ईष्ट माँ सरस्वती को मानकर उनकी पूजा-आराधना करते हैं। जिन पर सरस्वती की कृपा होती है, वे ज्ञानी और विद्या के धनी होते हैं। बसंत पचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को ही अर्पित है। शास्त्रो में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है, किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालो में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का विधान चल निकला है। यह ज्ञान का त्योहार है, फलतः इस दिन प्रायः शिक्षण संस्थानों व विद्यालयो में अवकाश होता है। विद्यार्थी पूजा स्थान को सजाने-संवारने का प्रबन्ध करते है। महोत्सव के कुछ सप्ताह पूर्व ही, विद्यालय विभिन्न प्रकार के वार्षिक समारोह मनाना प्रारंभ कर देते हैं। संगीत, वाद-विवाद, खेल- कूद प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। बसंत पंचमी के दिन ही विजेयताओं को पुरस्कार बाटे जाते है। माता-पिता तथा समुदाय के अन्य लोग भी बच्चों को उत्साहित करने इन समारोहों में आते है। समारोह का आरम्भ और समापन सरस्वती वन्दना से होता है। प्रार्थना के भाव हैं- ओ माँ सरस्वती ! मेरे मस्तिष्क से अंधेरे (अज्ञान) को हटा दो तथा मुझे शाश्वत ज्ञान का आशीर्वाद दो!

घरों में बसंत महोत्सव

पूजा कक्ष को अच्छी तरह साफ किया जाता है, तथा सरस्वती देवी की प्रतिमा को पीले फूलों से सजे लकड़ी के मंडप पर रखा जाता है। मूर्ति को भी पीत पुष्पों से सजाया जाता है। एव पीत परिधान पहनाये जाते है। पीला रग हिन्दुओं का शुभ रंग है। इसी प्रतिमा के निकट गणेश का चित्र या प्रतिमा भी स्थापित की जाती है। परिवार के सभी सदस्य तथा पूजा में सम्मिलित होने वाले सभी व्यक्ति भी पीले वस्त्र धारण करते है। बच्चे वयस्क देवी को प्रणाम करते है। बेर व संगरी प्रसाद की मुख्य वस्तुएँ हैं तथा इन्हीं के साथ पीली बर्फी या बेसन लड्डू भी रखे जाते है। प्रसाद की थाली में नारियल व पान के पत्र भी रखे जाते हैं। बसंत पंचमी, बसंत ऋतु के प्रादुर्भाव की भी तिथि है। अर्थात इसी दिन ऋतुराज बसंत का पृथ्वी पर प्रादुर्भाव हुआ था। साथ ही इसी दिन काम के देवता अनंग का भी आविर्भाव हुआ था। यानी कि इस दिन सम्पूर्ण प्रकृति में एक मादक उल्लास व आनन्द की सृष्टि हुई थी। वह मादक उल्लास व आनन्द की अनुभूति अब भी ज्यों की त्यों है, और बसंत पचमी के दिन यह फूट पड़ती है। पीला रग परिपक्वता का प्रतीक है।

बसंतोत्सव और पीला रंग

यह रंग हिन्दुओ का शुभ रंग है। बसंत पंचमी पर न केवल पीले रंग के वस्त्र पहने जाते है, अपितु खाद्य पदार्थों में भी पीले चावल पीले लड्डू व केसर युक्त खीर का उपयोग किया जाता है, जिसे बच्चे तथा बड़े-बूढ़े सभी पसंद करते है। अतः इस दिन सब कुछ पीला दिखाई देता है और प्रकृति खेतो को पीले-सुनहरे रंग से सजा देती है, तो दूसरी ओर घर-घर में लोग के परिधान भी पीले दृष्टिगोचर होते हैं। नवयुवक-युवती एक -दूसरे के माथे पर चदन या हल्दी का तिलक लगाकर पूजा समारोह आरम्भ करते हैं। तब सभी लोग अपने दाए हाथ की तीसरी उगली में हल्दी, चदन व रोली के मिश्रण को माँ सरस्वती के चरणो एवं मस्तक पर लगाते हैं, और जलार्पण करते हैं। धान व फलो को मूर्तियो पर बरसाया जाता है। गृहलक्ष्मी फिर को बेर, संगरी, लड्डू इत्यादि बाटती है। प्रायः बसंत पंचमी के दिन पूजा समारोह विधिवत नही होते हैं, क्योंकि लोग प्रायः घर से बाहर के कार्यों में व्यस्त रहते है। हाँ, मंदिर जाना व सगे-सबंधियों से भेंट कर आशीर्वाद लेना तो इस दिन आवश्यक ही है।

बसंतोत्सव और मनोरंजन

बच्चे व किशोर बसंत पंचमी का बड़ी उत्सुकता से इंतजार करते हैं। आखिर, उन्हें पतंग जो उड़ानी है। ये सभी घर की छतों या खुले स्थानों पर एकत्रित होते है, और तब शुरू होती है, पतंगबाजी की जंग। कोशिश होती है, प्रतिस्पर्धी की डोर को काटने की। जब पतग कटती है, तो उसे पकड़ने की होड़ मचती है। इस भागम-भाग में सारा माहौल उत्साहित हो उठता है।

मथुरा का मेला

मार्ग शुक्ल 5 को बसंत पंचमी के दिन मथुरा में दुर्वासा ऋषि के मन्दिर पर मेला लगता है। सभी मन्दिरों में उत्सव एवं भगवान के विशेष श्रृंगार होते है। वृन्दावन के श्रीबाके बिहारीजी मन्दिर में बसंती कक्ष खुलता है। शाह जी के मंदिर का बसंती कमरा प्रसिद्ध है। यहाँ दर्शन को भरी-भीड़ उमड़ती है। मन्दिरों में बसंती भोग रखे जाते हैं और बसंत के राग गाये जाते हैं बसंम पंचमी से ही होली गाना शुरू हो जाता है। ब्रज का यह परम्परागत उत्सव है। इस दिन सरस्वती पूजा भी होती है। ब्रजवासी बसंती वस्त्र पहनते हैं।

बसंतोत्सव पर प्रसाद और भोजन

बसंत पचमी के दिन वाग्देवी सरस्वती जी को पीला भोग लगाया जाता है और घरों में भोजन भी पीला ही बनाया जाता है। इस दिन विशेषकर मीठा चावल बनाया जाता है। जिसमें बादाम, किसमिस, काजू आदि डालकर खीर आदि विशेष व्यंजन बनाये जाते हैं। इसे दोपहर में परोसा जाता है। घर के सदस्यों व आगंतुकों में पीली बर्फी बाटी जाती है। केसरयुक्त खीर सभी को प्रिय लगती है। गायन आदि के विशेष कार्यक्रमों से इस त्यौहार का आनन्द और व्यापक हो जाता है।

'मेरे साथ एक रात...'

ममता कुलकर्णी को इस बड़े एक्टर ने दिया था वन नाइट स्टैंड...

एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने अपने प्रोफेशनल जिंदगी के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं. हाल ही में वह प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में साध्वी बन गईं और अब वह किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बन गई हैं. एक्ट्रेस का नाम छोटा राजन के साथ-साथ ड्रग्स कंट्रोवर्सी में भी फंस चुका है. केवल इतना ही नहीं उन्होंने बॉलीवुड में टॉपलेस फोटोशूट का चलन भी शुरू किया था. हालांकि एक इंटरव्यू के दौरान ममत ने बॉबी देओल पर बड़ा इल्जाम लगाया था.

एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने कुछ साल पहले एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में बताया था कि एक्टर बॉबी देओल ने उन्हें वन नाइट स्टैंड का प्रपोजल दिया था.

एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने बताया था कि फिल्म 'बरसात' की शूटिंग चल रही थी और बॉबी एक होटल में रुके थे. वहीं ममता भी अपनी किसी मूवी की शूटिंग के सिलसिले में उसी होटल में रूकी थीं. ममता ने बताया कि उस फिल्म में ममता कुलकर्णी के अपोजिट एक्टर मिथुन चक्रवर्ती लीड रोल में थे और उन्होंने ही बॉबी देओल की मुलाकात ममता से करवाई थी. बॉबी उनपर फिदा हो गए थे और इसके बाद उन्होंने मुझसे दोस्ती बढ़ाई. इसके बाद यह दोनों साथ में पार्टी करते नजर आ जाते थे. एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी और बॉबी देओल जब अच्छे दोस्त बन गए तो एक्टर ने उनसे एक रात बिताने तक का ऑफर दे डाला था, यह सुनकर ममता हैरान रह गईं थीं. उस दौरान बॉबी देओल का अफेयर पूजा भट्ट से चल रहा था और ममता को यह बात मालूम थी. उन्होंने बॉबी से कहा कि अगर वह मेरे साथ एक रात बिताना चाहते हैं तो सबसे पहले अपनी गर्लफ्रेंड से इस बात की परमिशन लेनी पड़ेगी. ममता कुलकर्णी की यह बात सुनकर बॉबी देओल हैरान रह गए थे और बाद में उन्होंने इस बात को हंसी-मजाक में टाल दिया था.

'मुझे तुम्हारी...'

कास्टिंग काउच पर छलका प्रियंका चोपड़ा का दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने केवल बॉलीवुड ही नहीं बल्कि आज दुनियाभर में फेमस है. उन्होंने अपनी एक्टिंग से लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाई है. एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग के तौर पर की थी और केवल 18 साल की उम्र में उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था और इसके बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा. लेकिन एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि करियर के शुरुआत में उन्हें कास्टिंग काउच से गुजरना पड़ा था. प्रियंका ने एक इंटरव्यू में बताया था कि डायरेक्टर ने उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था.

'मैं तुम्हारी पैंटी देखना चाहता हूं' - प्रियंका चोपड़ा

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने कुछ समय पहले फोर्ब्स पॉवर विमेन समिट में कास्टिंग काउच का दर्द साझा किया था. उन्होंने बताया था, 'मैं केवल 19 साल की थी. तब मैं काम को लेकर एक डायरेक्टर से बात करने गई थी. मैंने कहा कि आप मेरे स्टाइलिस्ट से बात करेंगे? उसे बता देंगे कि आपको क्या चाहिए?' उन्होंने कहा कि मैं बड़ी खड़ी थी और उस डायरेक्टर ने मेरे सामने ही मेरे स्टाइलिस्ट को फोन किया और कहा, 'सुनो अगर प्रियंका अपनी पैंटी दिखाएगी तो लोग उसे फिल्म में देखने के लिए जरूर आएंगे. इसलिए पैंटी बहुत छोटी होनी चाहिए ताकि मैं उसकी पैंटी देख सकूं. आप उन लोगों को जानते हैं जो आगे बैठे हैं? उन्हें उसकी पैंटी दिखनी चाहिए. उसने ये बात एक नहीं बल्कि 4 बार कही थी.'

प्रियंका चोपड़ा ने छोड़ दी थी फिल्म

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने आगे बताया था कि उस रात जब मैं अपने घर वापस गई तो यह बात मैंने अपनी मां को बताई. मैंने कहा था कि मां मैं उस डायरेक्टर के चेहरे को नहीं देख सकती, अगर वह मेरे बारे में ऐसा सोचता है तो. मैंने कहा था, 'अगर वो मेरे बारे में ऐसी छोटी सोच रखता है तो मेरे आगे बढ़ने की कोई गुंजाइश नहीं है.' उन्होंने कहा कि इसके बाद मैंने ये फिल्म छोड़ दी थी और कभी भी उस डायरेक्टर के साथ काम नहीं किया.

शिल्पा को करण वीर ने किया किस

हरकत देख चढ़ा चुम का पारा!

टीवी का फेमस विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 18 का सफर खत्म हो चुका है, लेकिन इसके कंटेस्टेंट अभी भी लगातार चर्चा में बने हुए हैं। शो के विनर करण वीर मेहरा बने हैं। करण के विनर बनने के बाद उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। इसी बीच अब करण वीर मेहरा का एक वीडियो सामने आया है, जो काफी चर्चा में बना हुआ है। इस वीडियो में करण की इस हरकत पर चुम को काफी गुस्सा आता है। बिग बॉस 18 के विनर बनने के बाद करण वीर मेहरा लगातार पार्टी करते नजर आ रहे हैं। हाल ही में करण ने शिल्पा शिरोडकर, चुम दरांग और दिग्विजय सिंह राठी के साथ री-यूनियन हुआ। इस दौरान का एक वीडियो इंस्टैंट बॉलीवुड पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में करण की हरकत पर चुम का पारा चढ़ता नजर आ रहा है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि शिल्पा आते ही करण से मिलती हैं। ऐसे में करण एक्साइटमेंट में शिल्पा के गाल पर किस करते हैं। ये देखकर चुम गुस्से में नजर आती हैं। इसके बाद करण वीर, चुम को मनाते नजर आ रहे हैं। चुम और करण की बात सुनकर दिग्विजय हंसते दिख रहे हैं। हालांकि, वीडियो में उनकी आवाज सुनाई नहीं दे रहे हैं, लेकिन उनके फेस एक्सप्रेशन से ऐसा ही लग रहा है, जैसे चुम करण से नराजा हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस पर कमेंट कर ज्यादातर लोग यही बोल रहे हैं कि चुम, शिल्पा से जेलस हो गईं। एक यूजर ने लिखा, 'परफेक्ट रिएक्शन।' एक दूसरा लिखता है, 'करण के हाव-भाव गलत है इसलिए दोस्त ने ऐसा रिएक्ट किया।' एक ने लिखा, 'क्या उन्हें जलन हुई या कुछ और?' ऐसे कई और कमेंट्स इस वीडियो पर आ रहे हैं।

हंगामा ओटीटी पर 'पर्सनल ट्रेनर'

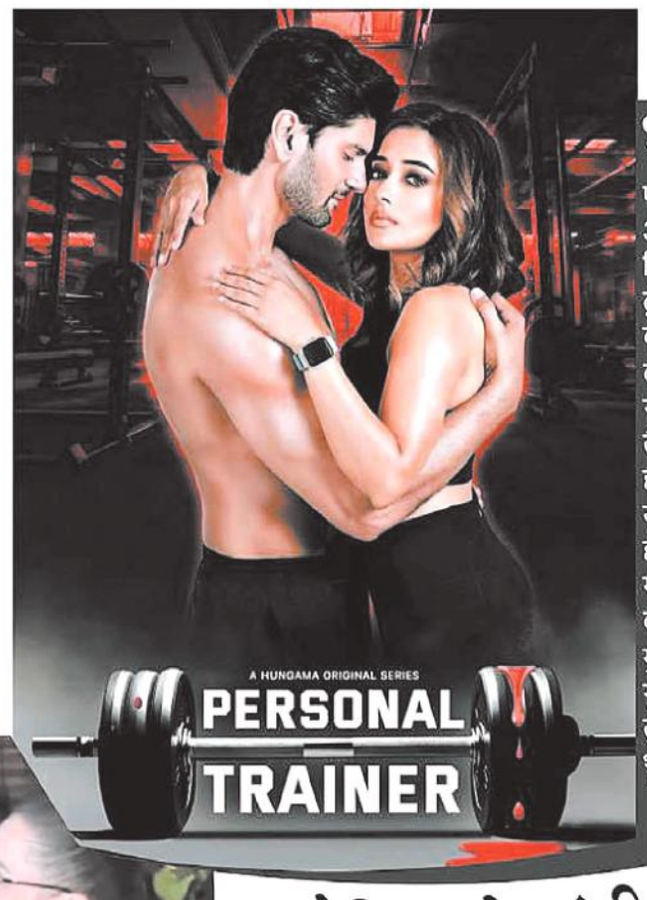

भारत के सबसे बेहतरीन ओटीटी प्लैटफ़ॉर्म में शामिल हंगामा ओटीटी अपनी नई क्राइम थ्रिलर सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर' के जरिए अपने दर्शकों का मनोरंजन करने और उन्हें रोमांच के सफर पर ले जाने के लिए तैयार है। यह सीरीज सिर्फ हंगामा ओटीटी पर 28 जनवरी 2025 को रिलीज हो रही है। इस सीरीज में बेहद प्रतिभाशाली कलाकार टीना दत्ता मुख्य भूमिका में हैं जबकि गुलशन नैन और साहिब तगरा भी अन्य अहम भूमिकाओं में हैं।

इस सीरीज की कहानी में धोखे, इच्छाओं और सस्पेंस का भरपूर तड़का है। सीरीज की कहानी मुंबई की जिम संस्कृति की पृष्ठभूमि में बुनी गई है। यह कहानी दर्शकों को शारीरिक फिटनेस पाने की इच्छा रखते हुए गलत रास्ते पर निकल जाने वाले किरदारों से रूबरू कराती है। इस कहानी में मुख्य किरदार नेहा धर्मराजन है जिसे टीना दत्ता ने निभाया है। नेहा एक विवाहित महिला है और उसकी दुनिया में तब तूफान आ जाता है जब उसके अवैध संबंध उसके पर्सनल ट्रेनर अनीश से बन जाते हैं। अनीश के किरदार को गुलशन नैन ने निभाया है। गुपचुप तरीके से शुरू हुआ यह रोमांस एक धोखे की कहानी में बदल जाता है और फिर इसका अंत अनीश की रहस्यमयी स्थितियों में मौत के साथ होता है। यह सीरीज दर्शकों को ऐसी कहानी से रूबरू कराती है जिसमें धोखा है, जिम से जुड़े अलग-अलग लोगों के अपने छिपे हुए एजेंडा हैं और शक की सुई हर किसी की तरफ जाती है।

अक्षय की स्काई फोर्स ने पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा

अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म स्काई फोर्स सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को रिलीज हुए सात दिन हो चुके हैं। भारत में इस फिल्म ने अबतक 100 करोड़ का आंकड़ा क्रॉस नहीं किया है, लेकिन वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो ये फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म ने सातवें दिन करीब 5.50 करोड़ की कमाई की है। आइए जानते हैं फिल्म ने अबतक कितने करोड़ कमाए हैं। sacnilk.com की मानें तो स्काई फोर्स ने भारत में अबतक 86.50 करोड़ कमाए हैं। फिल्म धीरे-धीरे 100 करोड़ के आंकड़े की तरफ बढ़ रही है।

फिल्म ने पहले दिन 12.25 करोड़ कमाए थे, दूसरे दिन 22 करोड़, तीसरे दिन 28 करोड़, चौथा दिन 7 करोड़, पांचवे दिन 5.75 करोड़, छठे दिन 6 करोड़ और सातवें दिन करीब 5.50 करोड़ की कमाई की है। इस तरह फिल्म ने अबतक 86.50 करोड़ कमाए हैं। स्काई फोर्स के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने लगभग 104.75 करोड़ की कमाई की है। फिल्म के बजट की बात करें तो इस फिल्म का बजट 160 करोड़ बताया जा रहा है। अक्षय और वीर की फिल्म स्काई फोर्स एक मिलिट्री ड्रामा फिल्म है। फिल्म में अक्षय और वीर के अलावा सारा अली खान और निमृत कौर भी नजर आई हैं। फिल्म के प्लॉट की बात करें तो 'स्काई फोर्स' की कहानी भारत के बहादुर स्क्वाड्रन लीडर रहे एबी देवैया की असली कहानी पर आधारित है। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर 1965 में पाकिस्तानी एयर फोर्स से टक्कर ली थी। उनके गायब होने के बाद उनके विंग कमांडर रहे ओ पी तनेजा ने उन्हें ढूंढने और उन्हें सम्मान दिलाने में अपनी जिंदगी लगा दी थी। फिल्म में वीर पहाड़िया का किरदार एबी देवैया से प्रेरित है। वहीं, अक्षय कुमार का किरदार विंग कमांडर ओपी तनेजा से प्रेरित है।

गोविंदा ने मांगी थी मन्नत

पूरी होने पर कृष्णा को कंधे पर बैठाकर चढ़ी थीं वैष्णो देवी की सीढ़ियां

कृष्णा अभिषेक ने एक बार फिर अपने मामा और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर गोविंदा के बारे में बात की है। कृष्णा ने पोडकास्ट में बताया कि गोविंदा ने बहुत साल पहले एक मन्नत मांगी थी और जब वो मन्नत पूरी हो गई थी तब उन्होंने उन्हें कंधे पर बैठकर छह घंटे तक सीढ़ियां चढ़ी थीं। कृष्णा ने कहा, "मेरी मां ने चिची मामा (गोविंदा) को पाला था, लेकिन मेरी मां को बच्चा नहीं हो रहा था। ऐसे में चिची मामा ने वैष्णो देवी जाकर मन्नत मांगी थी कि अगर मेरी बहन को बच्चा हो गया तो वो बच्चे को अपने कंधे पर बैठकर पैदल आएंगे, लेकिन मेरे जन्म के बाद चिची मामा भूल गए। वो शूटिंग में बिजी रहने लग गए। एक के बाद एक फिल्म करने लग गए।"कृष्णा ने आगे कहा, "जब मैं पांच साल का हुआ तब अचानक एक दिन चिची मामा को याद आया कि उन्होंने मेरे लिए मन्नत मांगी थी। तब तक मैं बहुत हट्टा-कट्टा हो गया था, लेकिन मन्नत पूरी करनी थी तो उन्होंने सारे काम छोड़े और सबसे पहले मुझे वैष्णो देवी लेकर गए। उन्होंने मुझे कंधे पर बैठकर सीढ़ियां चढ़ीं।

शाहिद कपूर की फिल्म देवा शुक्रवार को रिलीज हो गई है। शाहिद इस फिल्म का खूब जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। फिल्म में शाहिद का जबरदस्त एक्शन देखने को मिलने वाला है। अब फिल्म के रिलीज होते ही इसके पहले दिन के प्रेडिक्शन का अपडेट आया है कि फिल्म पहले दिन कितने करोड़ कमाएगी। सैक्निक की रिपोर्ट के मुताबिक, देवा ने पहले दिन के एडवांस बुकिंग में 1.67 करोड़ कमाए।

फिल्म देवा पहले दिन कर सकती है 5-7 करोड़ की कमाई

फिल्म की टिकट लाख से भी कम बिकी थीं जो कम है। अब इंडस्ट्री के सोर्स के मुताबिक देवा पहले दिन 5-7 करोड़ कमा सकती है। अगर वर्ड ऑफ माउथ अच्छा रहा तो फिल्म की कमाई और अच्छी हो सकती है। इस अमाउंट को देखकर कहा जा रहा है कि अगर फिल्म इतना कमाएगी तो यह कबीर सिंह के पहले दिन के कलेक्शन का एक तिहाई भी नहीं होगा। कबीर सिंह ने पहले दिन 20 करोड़ कमाए थे। फिलहाल थिएटर्स में अक्षय कुमार और वीर पहारिया की फिल्म स्काई फोर्स लगी है और इसे भी काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है तो यह देवा के लिए बड़ी टक्कर है। गुरुवार को स्काई फोर्स ने 5.50 करोड़ कमाए थे। देवा को रोशन एंड्रीयूज ने डायरेक्ट किया है और वह इस फिल्म के जरिए बतौर डायरेक्टर डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म में शाहिद के साथ पूजा हेगड़े, पवेल गुलाटी भी हैं। अपनी फिल्म को लेकर शाहिद ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, एक एक्टर के नाते यह काफी चैलेंजिंग फिल्म थी। इसमें काफी कॉम्प्लेक्स करैक्टर है कमर्शियल वर्ल्ड में। फिल्म एक्शन थ्रिलर है और ऐसा मैंने कभी किया नहीं।

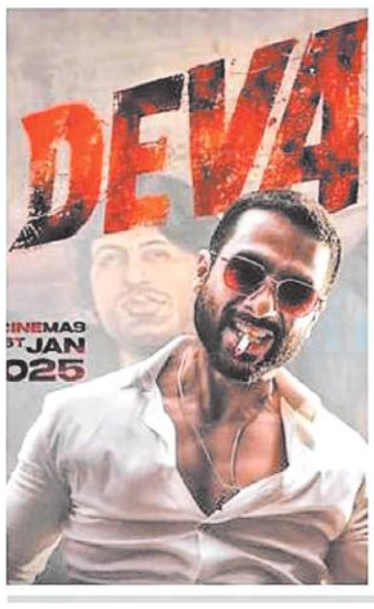

रश्मिका को व्हीलचेयर पर लेकर आए विक्की

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अपनी अगली रिलीज 'छावा' के लिए तैयारी कर रहे हैं। ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म 14 फरवरी, 2025 को रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों से अपार प्यार मिला। खैर, फिल्म का पहला गाना 'जाने तू' भी रिलीज हो गया है। इसके इवेंट में दोनों स्टार्स नजर आए। वहीं विक्की व्हीलचेयर पर बैठीं रश्मिका की मदद करते नजर आए। उनके इस प्यारे से जेस्चर ने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल पिघला दिया है और फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं।

इंस्टेंट बॉलीवुड के शेयर किए गए वीडियो में, हम विक्की को रश्मिका की व्हीलचेयर खींचते हुए देख सकते हैं। शूटिंग के दौरान उनके पैर में चोट लग गई थी और वह फिलहाल चलने में असमर्थ हैं। प्रमोशनल इवेंट के दौरान एक्टर को उनकी मदद करते देखा गया। वीडियो वायरल होते ही फैन्स रि-एक्शन देते नजर आए। एक फैन ने लिखा- बहुत प्यारा। दूसरे ने लिखा- वाह। कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में दिल वाले इमोजी बनाए। 'छावा' का ट्रेलर मराठों और मुगलों के बीच की लड़ाई को दिखाता है। मराठा सभी के लिए स्वतंत्रता और सुरक्षा की दृष्टि से स्वराज स्थापित करने की कोशिश करते हैं, मुगल साम्राज्य दृढ़ता से खड़ा है, वो अपने प्रभुत्व के खिलाफ किसी भी विद्रोह को कुचलने की कसम खाता है। डायलॉग्स तनाव से भरे हुए हैं, साम्राज्य को चुनौती देने वालों के लिए मराठा की चेतावनी है। अक्षय खन्ना औरंगजेब के रोल में हैं। ट्रेलर में उनका डायलॉग है, 'पूरे खानदान की लाश पर खड़े होकर हमने ताज पहना था, उसे दोबारा वही वक्त दिखाएंगे जब उस सांभा की चीखें पूरे हिंदुस्तान में गूंजेंगी।'

'व्हाइट नाइट्स' की कहानी को मंच पर उतारेंगी पूर्वा नरेश

भारत भर में रिलीज, जनवरी 2025: आद्यम थिएटर, जो आदित्य बिरला ग्रुप की पहल है, थिएटर के अमर शिल्प को संरक्षित करने के लिए, अपने सातवें सीजन के साथ वापस आ गया है। इस सीजन में कुछ सबसे प्रतिभाशाली थिएटर हस्तियां कहानियों को एक नए अंदाज़ में प्रस्तुत करेंगी। अतुल कुमार के 'द क्यूरियस इनसिडेंट ऑफ द डॉग इन द नाइट-टाइम' के शानदार सफलता के बाद, पूर्वा नरेश अब फ्योदोर दोस्तोयेव्स्की के 'व्हाइट नाइट्स' को भारतीय मंच पर 'चांदनी रातें' के रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं। मुंबई में इसका प्रीमियर 1 और 2 फरवरी 2025 को बाल गंधर्व रंग मंदिर में होगा, और फिर 15 और 16 फरवरी 2025 को नेहरू सेंटर ऑडिटोरियम में दूसरा प्रदर्शन होगा। इसके बाद, यह नाटक दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में 1 और 2 मार्च 2025 को प्रदर्शित किया जाएगा। 'व्हाइट नाईट्स' ने अपनी त्रासदीपूर्ण लेकिन प्रभावशाली कहानी के माध्यम से जर्मन, फ्रेंच, इटालियन और अन्य भाषाओं में सेलुलॉइड पर विभिन्न रूपांतरणों के साथ सिनेमा प्रेमियों और पाठकों को समान रूप से मंत्रमुग्ध किया है। भारतीय रंगमंच की प्रमुख आवाजों में से एक, पूरवा नरेश, इस प्रेम कहानी को पहली बार भारतीय मंच पर एक बड़े पैमाने पर चार रातों के माध्यम से पुनर्जीवित करेंगी।

जबलपुर में पुलिस-प्रशासन से भिड़ी महिलाएं

नर्मदा जयंती पर गौरी घाट से दुकानें हटाने का विरोध, दुकानदारों ने किया प्रदर्शन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर में नर्मदा जयंती के मौके पर प्रशासन द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं को लेकर रविवार को गौरी घाट पर हंगामे की स्थिति बन गई। प्रशासन ने प्रसाद और फूल-माला दुकानदारों को नर्मदा तट से हटाकर पुराने गौरी घाट रेलवे स्टेशन के पास स्थानांतरित करने का आदेश दिया, जिसका दुकानदारों ने जमकर विरोध किया। दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने नर्मदा जयंती के लिए हजारों रुपए का सामान उधार पर खरीदा था। हर साल की तरह वे घाट पर ही दुकानें लगाते हैं, लेकिन इस बार बिना पूर्व सूचना के उन्हें करीब डेढ़ किलोमीटर दूर स्थानांतरित करने का फरमान जारी कर दिया गया। आक्रोशित दुकानदारों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कुछ महिलाओं ने बैरिकेड्स को पार करने की कोशिश की, जिससे हाथापाई की नौबत आ गई। गौरी घाट पर करीब सौ से अधिक दुकानें हैं, जिन्हें स्थानांतरित किया जाना है। दुकानदारों का कहना है कि वे श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखते हैं और नई जगह पर दुकान लगाने से उनका व्यवसाय प्रभावित होगा। मौके पर पहुंची पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और आश्वासन दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर समस्या का समाधान किया जाएगा। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और प्रशासन व दुकानदारों के बीच बातचीत जारी है।

ग्रीन एनर्जी को अपनाने में पिछड़े सरकारी दफ्तर

मात्र 17 में लगे सोलर प्लांट, बाकी पारंपरिक बिजली पर निर्भर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर में सरकारी दफ्तरों द्वारा सौर ऊर्जा को अपनाने की गति अत्यंत धीमी है। शहर में सैकड़ों सरकारी कार्यालय होने के बावजूद केवल 17 कार्यालयों में ही सोलर प्लांट स्थापित किए गए हैं, जबकि अधिकांश कार्यालय अभी भी पारंपरिक बिजली का उपयोग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य योजना के माध्यम से सरकार जहां आम नागरिकों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, वहीं सरकारी विभाग इस दिशा में गंभीर प्रयास करने में विफल रहे हैं। विद्युत मंडल के अधिकारियों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में सौर ऊर्जा के उपयोग से न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि कार्बन फुटप्रिंट में भी कमी आएगी। सरकार का मानना है कि सौर ऊर्जा महज एक विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभदायक है, बल्कि सरकारी खर्चों में भी कटौती का कारण बनेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि जब सरकार स्वयं ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा दे रही है, तो सरकारी विभागों को भी इस दिशा में तत्काल कदम उठाने चाहिए।

नर्मदा प्राकट्योत्सव पर्व : ग्वारीघाट, भेड़ाघाट, तिलवाराघाट की यातायात, डायवर्सन एवं पार्किंग व्यवस्था

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मंगलवार को नर्मदा प्राकट्योत्सव पर्व पर अत्याधिक संख्या मे श्रद्धालुगण ग्वारीघाट/तिलवाराघाट/भेड़ाघाट मॉ नर्मदा के पूजन अर्चन एवं स्नान आदि के लिये पहुंचेंगे जिसे ध्यान मे रखते हुये पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) के मार्ग दर्शन में निम्नानुसार चाक-चौबंद व्यवस्था लगायी जावेगी।

ग्वारीघाट की यातायात व्यवस्था - (ट्रेफिक प्लान)

डायवर्सन व्यवस्थाः- मेट्रो बसों के अलावा सभी प्रकार के भारी वाहन/लोडिंग वाहन आदि रामपुर चौक तक ही जा सकेंगे।

ग्वारीघाट पहुच मार्ग :- सभी प्रकार के दो पहिया/चार पहिया वाहन रामपुर चौक से बिगबजार ,सुखसागर वैली से होते हुये जायेंगे जो अवधपुरी मोड से बायें डायवर्ट होकर अवधपुरी कालोनी होते हुए आयुर्वेदिक संस्थान पार्किंग परिसर (दषहरा मैदान) गेट नम्बर 01 से प्रवेष करेगें एवं दषहरा मैदान में ही पार्क होगें। बिलहरी तिलहरी मण्डला रोड तरफ से आने वाले वाहन तिलहरी ग्राम, कालीधाम, भिटौली कुण्ड होते हुये गीताधाम के सामने ग्राउन्ड में पार्क होगें।

ग्वारीघाट से वापसी मार्ग- सभी प्रकार के वाहन दशहरा मैदान से ,आयुर्वेदिक संस्थान मेन गेट से होते हुये, गीताधाम, मरघटाई मोड, भिटौली कुण्ड, कालीधाम, छिवला ग्राम, तिलहरी ग्राम, जेडाक्स कॉलेज होते हुये तिलहरी क्रासिंग, बिलहरी, की ओर जायेंगे, कोई भी वाहन पुराना रेल्वे स्टेशन, झण्डा चौक की ओर नहीं जाने दिया जावेगा। मेट्रो बसें रामपुर चौक, से खंदारीनाला से साउथ एवेन्यू मॉल (बिग बाजार) तक ही जा सकेगी यहॉ श्राद्धालुओं को छोडकर इसी मार्ग से वापस जावेंगी, लेकिन किसी भी स्थिति में मेट्रो बसें रामपुर से बिग बाजार तक न तो बीच रास्ते में सवारियों बैठायगी, न उतारेंगी अर्थात रोड पर नहीं रूकेगी। समस्त सवारी आटो/आपे रामपुर चौक, बिगबाजार से रेतनाका तक जा सकेंगे तथा सवारियों को उतारकर इसी मार्ग से वापस रेतनाका, बिगबाजार, रामपुर चौक होकर वापस जावेंगें, लेकिन किसी भी स्थिति में आटो/आपे रामपुर से रेतनाका तक न तो बीच रास्ते में सवारियां बैठायगी, न उतारेंगी अर्थात रोड पर नहीं रूकेगी। अत्याधिक भीड़ भाड़ होने पर सवारी आटो/आपे साउथ एवेन्यू मॉल (बिग बाजार) तक ही जा सकेगें। दिनांक 04.02.2025 को आम जनता तथा श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा की दृष्टि से रामलला मंदिर से झण्डा चौक, साकेतधाम, वर्मन मोहल्ला, जिलहरी मोड, आयुर्वेदिक संस्थान के सामने तथा ग्वारीघाट के आसपास वाले सभी गलियो को नो व्हीकल जोन बनाया जावेगा। नो व्हीकल जोन में रहने वाले ग्वारीघाट निवासियों से विनम्र अपील है कि आम जनता के हित के लिये एवं स्वयं की असुविधा से बचने के लिए स्वयं के दो पहिया/चार पहिया वाहनों को उक्त मार्ग पर न निकाले, और न ही वाहनों को आम रोड पर खड़ा करें। गोराबाजार, बिलहरी, तिलहरी, अथवा बरेला की ओर से आने वाले सभी प्रकार के लोडिंग वाहन तिलहरी मोड से भिटौली होकर कालीधाम या ग्वारीघाट वाले रास्ते से नहीं आ सकेंगे।

पार्किंग व्यवस्थाः- दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की पार्किंग निम्न स्थलों पर की जा सकेगी।

पार्किंग पी-1- आयुर्वेदिक संस्थान स्थित दषहरा मैदान

पार्किंग पी 2- गीताधाम के सामने मैदान मे

नोटः- सम्पूर्ण व्यवस्था दिनांक 03.02.2025 की देर रात्रि से प्रभावषील रहेगी।

भेड़ाघाट की यातायात व्यवस्था - (ट्रेफिक प्लान)

डायवर्सन व्यवस्थाः- सगडा बायपास की ओर से जाने वाले वाहन-मेट्रो बसों के अलावा सभी प्रकार के भारी वाहन/लोडिंग वाहन चौकीताल वायपास से भेड़ाघाट मार्ग की ओर नहीं जा सकेंगें। सगड़ा वायपास की ओर से आनी वाली मेट्रो बसें एवं सवारी आटो/आपे चौकीताल से लम्हेटाघाट होकर भेडाघाट हाईस्कूल भड़पुरा तिराहा तक ही जा सकेगें। भेड़ाघाट चौराहे की ओर से जाने वाले वाहन- मेट्रो बसों के अलावा सभी प्रकार के भारी वाहन/लोडिंग वाहन सरस्वतीघाट मार्ग की ओर नहीं जा सकेगें। भेड़ाघाट चौराहे की ओर से आनी वाली सभी मेट्रो बसों एवं सवारी आटो/आपे भेड़ाघाट जनपद पंचायत मैदान तक ही जा सकेगें।

पार्किंग व्यवस्थाः-दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की पार्किंग स्थल-

भेड़ाघाट चौराहे से आने वाले वाहनो हेतुः-

समस्त बड़े वाहनों हेतु - भेड़ाघाट पुलिस लाईन पार्किंग मैदान दो पहिया/हल्के चार पहिया वाहन हेतुः- हरे कृष्ण आश्रम के सामने, जनपद पंचायत भेड़ाघाट पार्किंग दो पहिया/हल्के चार पहिया वाहन हेतु - हेलीपेड मैदान

तिलवारा घाट की यातायात व्यवस्था-(ट्रेफिक प्लान)

डायवर्सन व्यवस्थाः- शहर से आने वाले सभी प्रकार के बड़े/मध्यम वाहन त्रिपुरी चौक, मेडीकल, शास्त्रीनगर से सगड़ा तिराहा तक जा सकेगें। बाद दाहिने टर्न होकर सगड़ा बायपास होकर जावेगें। सिवनी तरफ से आने वाले सभी प्रकार के बडे/मध्यम वाहन तिलवारा पुल से शहर की तरफ नहीं जा सकेगें आगे बढ़कर सगड़ा वायपास से सगडा चौराहा, शास्त्रीनगर, मेडीकल होकर जावेगें। पार्किंग स्थल- दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की पार्किंग स्थल- लिटिल वर्ल्ड स्कूल मैदान पार्किंग तिलवारा नया पुल के नीचे पार्किंग।

गुंडे-बदमाश और चाकूबाजों पर करें प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

एसपी संपत उपाध्याय ने ओमती थाने का औचक निरीक्षण किया। सबसे पहले उन्होंने मालखाने का निरीक्षण करते हुए जब्त मामल, आर्म्स एम्यूनेशन, राईट ड्रिल सामग्री का रख रखाव का परीक्षण किया। साथ ही थाने में संधारित किये जाने वाले रजिस्टरों को भी चैक किया। एसपी ने सीएसपी और थाना प्रभारी को निर्देश दिए कि लंबित सीएम हैल्प लाइन एवं जनसुनवाई का संतुष्टिपूर्वक निराकरण किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं, बच्चों, वृद्धों एवं समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहते हुए इनके द्वारा की गई शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र के सक्रिय गुंडे-बदमाश और चाकूबाजों पर प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए साथ ही ऐसे अपराधी जिन्होनें जमानत पर रहते हुये अपराध घटित किये है उनके विरूद्ध प्रकरण तैयार कर न्यायालय से उनकी जमानत निरस्त कराने के प्रयास किए जाएं।

विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
सिटी ऑफिस- त्रिपुरी भवन, जेडीए योजना क्रं. 18, ब्लाक नं. 9 मेजेनाइन फ्लोर, सिविक सेंटर, जबलपुर।
फोन : 0761-4085321

अपनी ही दुकान के बाहर गांजा लेकर खड़ा था युवक

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पनागर थानाक्षेत्र के गुरुनानक वार्ड में पुलिस ने गांजा के साथ एक युवक को दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह ने बताया कि पुलिस रात के वक्त गश्त कर रही थी। तभी पुलिस कर्मियों की एक युवक पर नजर पड़ी जो कि हाथ में पन्नी लिए संदिग्ध हालत में खड़ा था और पुलिस को देखते ही दुकान के अंदर चला गया। पुलिस ने उसके बुलाकर पन्नी की तलाशी ली तो उसमें से करीब 767 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी का नाम दीपक नाम बताया जा रहा है कि जो कि गुरुनानक वार्ड का रहने वाला है और घर के पास ही ऑटो पार्टस की दुकान चलाता है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह गांजा कहां से लाया था और बेचने की फिराक में था या खुद के उपयोग के लिए लाया था।

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे
आकस्मिक चिकित्सा
सभी विभागों में भर्ती
एम्बुलेंस तथा दवाईयां
पैथोलॉजी तथा एक्सरे
मेडिसिन एवं हृदय रोग
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
आस्थि रोग, नाक-कान-गला
स्त्री एवं प्रस्तुति रोग
बाल रोग, न्यूरो तथा स्पाइन
कैंसर, मूत्र रोग विभाग
पॉईजनिंग बर्न यूनिट हॉर्ट अटैक एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
5 May श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

JYOTI INNER ZONE
जबलपुर संस्कारधानी वासियों को नववर्ष 2025 की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनायें
15% से 30% तक की भारी छूट
LUX cozi | MANUL MACHO | RUPA | JOCKEY | DIXCY SCOTT
1222, Main Road Ganjipura, Near Super Market, Jabalpur (M.P.) 0761 - 4038008

जबलपुर के बारहा गांव के जंगल में मृत मिला तेंदुआ:शिकार की आशंका, शव कब्जे में लेकर वन विभाग ने शुरू की शिकारियों की तलाश

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर बरगी-समाधि रोड पर शनिवार शाम को तेंदुए का शव मिला है। जानकारी लगते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, और आसपास काफी देर तक सर्चिंग की, लेकिन कोई भी सबूत नहीं मिले, जिससे कि यह पता चल सके कि तेंदुए का शिकार किसने किया है। बताया जा रहा है कि शव काफी पुराना हो चुका था। आशंका यह भी जताई जा रही है, कि शिकार के उद्देश्य से तेंदुए को मारा गया है। शव वीरांगना रानी दुर्गावती समाधि स्थल के समीप झाड़ियों में मिला है।

मंडला बार्डर से बरामद हुआ?

जानकारी लगते ही वन्य प्राणी विशेषज्ञ की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए के शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम करवाने के लिए वेटरनरी कॉलेज ले आई। बताया यह भी जा रहा है कि वन अमले के पहुंचने के पहले ही शिकारियों ने मौका पाकर तेंदुए के शव को गायब कर दिया था। मौके पर तेंदुए के

कुछ बाल पड़े हुए थे। क्षेत्र की सर्चिंग के दौरान शव मंडला बार्डर से बरामद हुआ?। कुछ लोग समाधि स्थल से गुजर रहे थे। झाड़ियों के पास से तेज दुर्गंध आने पर नजदीक जाकर देखा तो झाड़ियों में एक तेंदुए का शव पड़ा हुआ था। लोगों ने वन विभाग को इस बात की सूचना दी। जब वन अमला पहुंचा तो उन्हें बताएं गए स्थान पर कुछ नहीं मिला। लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा था कि किसी को झाड़ियों के बीच से घसीटा गया है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

अमले ने पड़ताल में पाया कि तेंदुए के शव को घसीट कर जबलपुर -मंडला बार्डर पर बनी दीवार के पीछे फेंक दिया था। चूंकि सूचना पर मंडला रेंज का अमला पहुंच गया था। लिहाजा तेंदुए के शव को निकलवाया गया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। वन विभाग का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। वहीं तेंदुए की मौत किन परिस्थितियों में हुई इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा।

ACST Tally PYTHON JAVA C, C++ CPCT
प्रदेश का अग्रणी संस्थान SINCE 1996
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707
नए बैच प्रारम्भ 40% छूट

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY
प्रवेश प्रारंभ
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631Mo.:9827200559, 9893322108

यश नर्सरी हा. से. स्कूल Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
बस एंव हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्कः- 9303580611, 6263988587,7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शामः4 तक)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, एन.एम. पब्लिकेशन प्रा. लि., उखरी चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित ।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com